वर्ष : 16 ❖ अंक : 314 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 27 जून 2022

आपातकाल के भयावह दौर को कभी न भूले युवा पीढ़ी : पीएम मोदी 3 | एमवीए सरकार दो-तीन दिन की मेहमान : केंद्रीय मंत्री दानवे 8

जनता ने चाहा तो हंसते हुए छोड़ दूंगा सीएम की कुर्सी : सीएम

मानव उत्थान सेवा समिति का तीन दिवसीय युवा शिविर सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 जून । मानव उत्थान सेवा समिति, सिक्किम राज्य युवा प्रकोष्ठ द्वारा रंगपो आश्रम में आयोजित तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन युवा शिविर का आज यहां समापन हुआ। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) आज के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। महात्मा अखिलेश बाईजी, सिक्किम राज्य संभाग प्रभारी महात्मा ज्ञान बाईजी, पाकिम के जिला गवर्नर और सिक्किम सरकार के विभिन्न विभागीय अध्यक्ष और सलाहकार भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर विभिन्न भक्ति कलाकारों ने भक्ति संगीत का प्रदर्शन किया, जबकि अखिलेश बाईजी और आदिना बाईजी ने सत्संग किया। इस बीच मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने सिक्किम आइडल के विभिन्न दौरों में पहुंचने के लिए सफल समिति के चार कलाकारों का अभिनंदन किया।

युवाओं को समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए प्रेरित करने के लिए आयोजित तीन दिवसीय युवा शिविर में राज्य और पड़ोसी राज्यों के युवाओं ने भाग लिया। मानव उत्थान सेवा समिति शिक्षा के क्षेत्र में भी विभिन्न कार्य करती रही है। साथ ही अनुपयोगी दवाओं को एकत्र कर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाया जा रहा है ताकि आर्थिक रूप से वंचित लोगों तक पहुंचा जा सके। शिविर के तीन दिनों के दौरान विभिन्न शोधकर्ताओं ने युवाओं को आध्यात्मिक प्रशिक्षण दिया।

आज के समापन कार्यक्रम में सतपाल महाराज ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से लोगों को संबोधित किया और युवाओं का उत्साहवर्धन किया और सिक्किम में हो रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रशंसा की। इसके अलावा अतिथियों और युवाओं ने नशा मुक्त भारत की शपथ भी दिलाई।

आज के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने कहा कि विश्व के युवा विश्व को ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं और इसका सकारात्मक उपयोग देश और राज्य को विकास के शिखर पर ले जाएगा। मुख्यमंत्री तमांग ने विश्वास व्यक्त किया कि तीन दिवसीय इस युवा शिविर से युवाओं को जो ज्ञान प्राप्त हुआ है उसका समाज पर निश्चित रूप से प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान लोगों की विभिन्न चीजों में इच्छा शक्ति को बढ़ाता है लेकिन आध्यात्मिक ज्ञान वाला व्यक्ति अपने पास जो है उससे संतुष्ट रहता है।

मुख्यमंत्री गोले ने अपना उदाहरण देते हुए सभी को आध्यात्मिक ज्ञान के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कल भले ही लोग मुझे कुर्सी से हटा लें, वे हंसते हुए छुट्टी ले लेंगे। मुख्यमंत्री की कुर्सी ने दिया है मुझ और इसका कोई लालच नहीं है। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि ईश्वर और लोगों के आशीर्वाद से वे दिन-रात खुद को जनसेवा में समर्पित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि कुर्सी का दुरुपयोग करके और अपने आसपास के परिवार के सदस्यों के लिए सुख-सुविधा की दुनिया नहीं बना कर पूरा परिवार सिक्किम की सेवा में लगा है।

मुख्यमंत्री गोले ने यह भी कहा कि मानव उत्थान सेवा समिति कोई धर्म नहीं बल्कि एक विचारधारा है और अगर कोई इस सिद्धांत का पालन करता है, तो वह निश्चित रूप से शांति की ओर बढ़ सकता है। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि भले ही विपक्ष उन्हें ठग बताकर उनके बारे में झूठी अफवाह फैलाए, फिर भी वह शून्य शत्रुता के सिद्धांत पर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि पिछली सरकार ने भी मानव सेवा समिति का राजनीतिकरण किया था।

मुख्यमंत्री गोले ने भक्तों को आश्वासन दिया कि नामचेबुंग क्षेत्र में पिछली सरकार द्वारा बनाए गए ध्यान केंद्र को 2023 तक 12 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा और महाराज सतपाल द्वारा उद्घाटन किया जाएगा। सरकार ने नंदगांव में श्री हंस आश्रम और ध्यान केंद्र के निर्माण को भी पूरा करने का वादा किया। मुख्यमंत्री तमांग ने यह भी कहा कि आगामी अनुपूरक बजट में इसकी राशि आवंटित कर निर्माण कार्य में तेजी लाई जाएगी।

मुख्यमंत्री गोले ने बताया कि सरकार ने सिक्किम में कैंसर को खत्म करने के लिए शोध भी शुरू कर दिया है। इसके अलावा, सरकार ने राज्य में कैंसर रोगियों को स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने के लिए एक अस्पताल के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि विपक्ष लोगों की सुविधा के लिए अस्पतालों के निर्माण का विरोध कर रहा है, लेकिन वह अपने लक्ष्य पर डटे रहेंगे, चाहे उन्होंने कितना भी विरोध क्यों ने सहना पड़े। मुख्यमंत्री गोले ने घोषणा की कि प्रदर्शनकारियों को काम करके दिखाया जाएगा।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री गोले ने केंद्र द्वारा शुरू की गई अग्निपथ परियोजना का स्वागत करते हुए यह भी घोषणा की कि अग्निवीर युवाओं को राज्य में विभिन्न सेवाओं में नियुक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि इस योजना से निश्चित रूप से देश के सभी युवाओं को लाभ होगा।

उन्होंने सिक्किम के युवाओं से भी इस योजना में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से सिक्किम को नशा मुक्त बनाने के लिए मिलकर काम करने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री गोले ने मानव उत्थान सेवा समिति को तीन दिवसीय आध्यात्मिक ग्रीष्म शिविर आयोजित करने पर बधाई दी।

सभी मोर्चों पर पूरी तरह से विफल रही है एसकेएम सरकार : चामलिंग

'पिछले 03 साल में उन्होंने मेरा नाम जपने के अलावा और कुछ नहीं किया'

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 जून । पवन चामलिंग ने अपने दावे को दोहराया कि प्रेम सिंह तमांग (गोले) सिक्किम के इतिहास में सबसे कमजोर मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने राज्य में आर्थिक संकट, कुछ बाहरी लोगों को खुश करने के लिए सिक्किम के हितों को दरकिनार करने, चुनावी वादों को पूरा करने में विफलता, बढ़ते राजनीतिक आतंकवाद, अनुच्छेद 371 एफ को कमजोर करने के उदाहरणों का हवाला देते हुए अपने दावे को सही ठहराया।

पवन चामलिंग ने अपने साप्ताहिक प्रश्नोत्तर कार्यक्रम में यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि आप श्री पीएस गोले को सिक्किम के इतिहास का सबसे कमजोर मुख्यमंत्री कह रहे हैं, आप अपने दावे को कैसे सही ठहराएंगे?

इसके जवाब में पवन चामलिंग ने कहा कि हमारे वर्तमान मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) कुछ बाहरी प्रभावी लोगों के हाथों की कठपुतली हैं और सिक्किम के लोगों के लिए एक छोटे समय के लिए क्षुद्र अत्याचारी हैं। वह गरीब असहाय लोगों पर दहाड़ते हैं और अपने स्वामी के सामने साठ डिग्री झुक जाते हैं। सत्ता में बने रहने के लिए उन्होंने जो समझौते किए हैं, वे इतने बड़े पैमाने पर हैं कि सिक्किम को आने वाले कई सालों तक इसके परिणाम भुगतने होंगे। उनका ट्रैक रिकॉर्ड सिक्किम और सिक्किम के लोगों के लिए असफलताओं, नुकसानों, क्षतियों और असफलताओं के ढेर के अलावा और कुछ नहीं है। फुटबॉल की भाषा में कहें तो उन्होंने हर बार केवल आत्मघाती गोल किए हैं। उन्होंने सिक्किम को इतने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा दिया है कि अगर सिक्किम के लोग नहीं जागे तो वह सिक्किम को पूरी तरह से खत्म कर देंगे। मैं सिक्किम के मुख्यमंत्री के रूप में प्रेम सिंह तमांग (गोले) की भारी विफलता के कुछ उदाहरण देता हूं।

पवन चामलिंग ने कहा कि उन्होंने आर्थिक मोर्चे पर सिक्किम को फिर से भारत के सबसे गरीब राज्यों में से एक की स्थिति में धकेल दिया गया है। मानो या न मानो, एसकेएम पार्टी और सीएम गोले का परिवार सिक्किम सरकार से भी अमीर हो गए है। सरकारी खजाना खाली है लेकिन प्रेम सिंह तमांग (गोले) का परिवार अचानक रहस्यमयी एटीएम बन गया है जो अंतहीन रूप से उनकी टीम और नए जॉइनर्स के लिए नकदी का वितरण करता है। उन्होंने कहा कहा कि याद रखें, यह सिक्किम का पैसा है, हमारे राज्य का बजट है, हमारे कर्ज का पैसा है और हमारी गाढ़ी कमाई और पुश्तैनी संपत्तियों को बेचकर बनाया गया है जो पीढ़ियों से संरक्षित थीं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सिक्किम अब सिक्किम के हितों से शासित नहीं है। एसकेएम सरकार के सबसे बड़े लाभार्थी सिक्किम के बाहर रहते हैं। वे सरकारी फैसलों को नियंत्रित करते हैं और वे सिक्किम के बजट से हिस्सा लेते हैं। सिक्किम सरकार अपने स्मार्ट सिटी बजट का सारा खर्च निजी परियोजनाओं जैसे ओल्ड वेस्ट प्वाइंट शॉपिंग मॉल और एक फाइव स्टार होटल और पुराने एसटीएनएम अस्पताल में निजी शॉपिंग मॉल पर खर्च कर रही है। च्याखुंग के एक निजी विश्वविद्यालय पर भी सरकार हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही है। गंगटोक शहर के बीच में हमारी प्रमुख भूमि, करफेक्टार और सिक्किम, दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी, कोलकाता, मुंबई और दिल्ली में सैकड़ों संपत्ति उन गैर-सिक्किम व्यापारियों को बेच दी गई है।

पवन चामलिंग ने कहा कि वह एक भी वादा पूरा करने में पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने अपनी कमजोरी को छिपाने के लिए झूठ के बाद झूठ बोला है। बेरोजगारी की दर सारी हदें पार कर चुकी है। पिछले तीन वर्षों में सिक्किम में कितनी नौकरियों का सृजन किया गया है? लगभग शून्य। केवल शीर्ष एसकेएम नेताओं के परिवारों से संबंधित लोगों को पिछले दरवाजे से रोजगार दिया गया है। उन्होंने जो एकमात्र नौकरियां पैदा की हैं, वे हैं गोले की विशेष पथरबाज बटालियन। अफसोस की बात है कि उन्होंने हमारे निर्दोष युवाओं को बर्बर, गुंडे, उपद्रवी, सड़क पर लड़ने वाले और यहां तक कि हत्यारों में बदल दिया है। सिक्किम में इस समय राजनीतिक आतंकवाद है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी जो करते हैं, एसकेएम पार्टी आज सिक्किम में कर रही है। पूरे राज्य में लूट, हिंसा, हत्या, मादक द्रव्यों के सेवन और नशीली दवाओं की तस्करी के साथ अपराध दर बढ़ रही है। अवसाद और आत्महत्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। जब सिक्किम के लोग राज्य से बाहर जाते हैं, तो लोग हमें उपद्रवी लोगों के रूप में देखने लगे हैं। हमारी सिक्किम की गरिमा को बहुत चोट पहुंची है।

इसके साथ ही पवन चामलिंग ने कहा कि आप उनके भाषणों को गौर से सुनें। पहले उन्होंने सरकार बनाने के लिए झूठ बोला और अब वादा पूरा करने में विफल रहने के बाद सारा दोष मुझ पर मढ़ रहे हैं। जब लोगों ने उनके झूठ पर विश्वास करना बंद कर दिया, तो उन्होंने उन पर हमला करना शुरू कर दिया। पिछले तीन वर्षों में, वह और उनकी टीम के सदस्य मेरा नाम, पवन चामलिंग-किसी भी चीज़ से ज्यादा जपते रहे हैं। दरअसल एसकेएम पार्टी सिर्फ पवन चामलिंग की बात करने के लिए पूरे दिन के कार्यक्रम आयोजित करती है। पवन चामलिंग उनकी नीति, योजना, सिद्धांत, कार्यक्रम और विचारधारा है। अगर उन्होंने एक अच्छी योजना पर इतना प्रयास किया होता, तो वे लोगों का दिल जीत लेते। वह केवल एक आदमी के बारे में बात कर सकते हैं क्योंकि उनके पास बात करने के लिए कोई विचार नहीं है। यह कमजोर नेतृत्व की निशानी है। मिस्टर पीएस तमांग इतने कमजोर सीएम हैं कि उन्होंने शोर करने वाले लोगों के एक समूह को नियुक्त किया है जिनका काम सोशल मीडिया में मेरे बारे में शोर करना है। इन शोर-शराबे वाले लोगों का काम असली मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाना है।

विधानसभा में बहाल हो नेपाली सीट आरक्षण : पासांग शेरपा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 जून । सिक्किमी नागरिक समाज ने आज कहा कि सिक्किम विधान सभा में सिक्किम के नेपाली लोगों के लिए खोई हुई सीट का आरक्षण बहाल करें, जिसे 1979 में अवैध रूप से छीन लिया गया था। यह राजनीतिक अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 371 एफ के तहत दृढ़ता से संरक्षित है और यह चल रहे कई राजनीतिक मुद्दों को भी हल करेगा।

सिक्किमी नागरिक समाज के महासचिव पासांग शेरपा ने आज नामची सेंट्रल पार्क में 8 मई के त्रिपक्षीय समझौते के स्वर्ण जयंती समारोह को अपने साल भर के उत्सव के एक भाग के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही। श्री पासांग शेरपा ने कहा, एसकेएम पार्टी जब सत्ता में नहीं थी, उसने कई बार ऐसा कहा है और यह घोषणापत्र में भी परिलक्षित हुआ है कि वे खोई हुई नेपाली सीट की बहाली के लिए काम करेंगे लेकिन आज तक उन्होंने काम नहीं किया है लेकिन हम उनसे अनुरोध करना चाहते हैं कि कृपया कुछ करें। और अगर वे इस मुद्दे पर काम करना शुरू कर देते हैं तो हम उनका झोला भी उठाने के लिए तैयार हैं क्योंकि यह सिक्किम या यूं कहें कि अनुच्छेद 371 एफ की आत्मा है और यह कई राजनीतिक मुद्दों को भी हल करेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि 42 साल हो गए हैं, लेकिन केंद्र में हमारी मांग पूरा नहीं हुआ है, जिसके कारण बहुसंख्यक नेपाली समुदाय को नुकसान हो रहा है। इसलिए अगर हम खोई हुई नेपाली सीट बहाल करने में सफल हुए तो अपनापन वापस लाने में सक्षम होंगे। इस कार्यक्रम में हमारे इतिहास की समझ के साथ-साथ विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। अन्य मुद्दों में नेपाली सीट आरक्षण, सरकार में बढ़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, नकली दस्तावेज और अवैध व्यापार लाइसेंस, बाहरी लोगों को अवैध भूमि हस्तांतरण से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला गया और विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर स्कूल पाठ्यक्रम में 8 मई समझौते और अनुच्छेद 371 एफ को शामिल करने की मांग और सभी के लिए एक सौहार्दपूर्ण समाधान तक पहुंचने के लिए राजनीतिक दलों, संगठनों और व्यक्तियों को (शेष पृष्ठ ०३ पर)

डॉ. लामा के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने की सीएम से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 जून । सिक्किम सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. महेंद्र पी लामा के नेतृत्व में उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर एनईडीएफआई के सलाहकार बेजबरुआ और प्रबंधक अभिषेक लामा ने मुलाकात की। यह जानकारी मुख्यमंत्री पीएस गोले ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दौरान नेपाल सहित पड़ोसी देशों के साथ पूर्वोत्तर राज्यों की सीमाओं को खोलने की संभावना के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा सौंपी गई परियोजना का सारांश प्रस्तुत किया।

डोनर मंत्री जी किशन रेड्डी के निर्देशन में, टीम ने पड़ोसी देशों के साथ व्यापार की संभावना की रिपोर्ट करने के लिए सिक्किम का दौरा किया और गेजिंग जिले में उत्तरे और चिवाभंज्यांग का दौरा किया।

सीएम गोले ने टीम को उनके प्रयासों के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही सीएम गोले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने सैद्धांतिक रूप से नयाबाजार से चिवाभंज्यांग होते हुए सोम्बारिया, सोरेंग तक राष्ट्रीय राजमार्ग के विकास को मंजूरी दी।

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर जागरुकता

अनुगामिनी का.सं.

सोरेंग, 26 जून । आज सोरेंग में अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस और अवैध तस्करी रोकथाम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सारथी संगठन (दक्षिण और पश्चिम) के सहयोग से जिला प्रशासन केंद्र, सोरेंग द्वारा अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर एक जागरुकता कार्यक्रम इस वर्ष की थीम 'शेयर ड्रग फैक्ट्स, सेव लाइफ' पर आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम सोरेंग बाजार से लेकर सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोरेंग तक एक रैली के साथ शुरू

हुआ, जिसमें साइंस कॉलेज चाकुंग, बी एड कॉलेज सोरेंग और सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोरेंग के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष (एसबीएस) डीबी गुरुंग और साथ में सम्मानीय अतिथि अध्यक्ष वाणिज्य एवं उद्योग विभाग एमबी छेत्री, डीसी सोरेंग श्री भीम ठटाल, एसपी सोरेंग जे जयपांडियन, एडीसी देव सोरेंग, डीएफओ (टी) सोरेंग, बीडीओ सोरेंग, सारथी दक्षिण और पश्चिम के सदस्य एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। (शेष पृष्ठ ०३ पर)

इंदिरा बाईपास के विकास में करूंगी हर संभव मदद : कला राई

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 जून । लोअर सिच्छे की पार्षद श्रीमती कला राई की अध्यक्षता में आज इंदिरा बाईपास के एक स्थित एक होटल में हितधारकों एवं जनता की भारी उपस्थिति में स्थानीय लोगों के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

आज बैठक में खुली चर्चा के बाद विभिन्न कार्यवृत्त पारित किये गये और छितेन ताशी भूटिया की अध्यक्षता में इंदिरा बाइ पास विकास समिति का भी गठन किया गया। बैठक में भी निर्णय लिया गया कि 17 जुलाई को पौधारोपण अभियान सह जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

बैठक में लिंगडिंग वार्ड में विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) का भी आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर श्रीमती कला राई ने अपने भाषण में जनता को सरकार के विभिन्न पायलट कार्यक्रमों से अवगत कराया और इंदिरा बाई पास के विकास के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन भी दिया। बैठक का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बेटियों का पैसा खा गए कमलनाथ और दिग्विजय सिंह : सीएम शिवराज

गुना, 26 जून (एजेन्सी)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को गुना में आक्रामक मुद्रा में दिखाई दिए। गुना के लक्ष्मीगंज में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को निशाने पर लिया।

शिवराज ने तंज कंसते हुए कहा कि जिस विवाह योजना के तहत दोनों नेता 51 हजार रुपए देने की बात करते थे, वह तो बेटियों को मिले ही नहीं। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह बेटियों का पैसा खा गए। सीएम ने चुनावी हवा अपने पक्ष में करने के लिए कांग्रेस को कमजोर बताते हुए यहां तक कह दिया कि अगर उनके पार्षद जीत भी जाते हैं, तो विकास कैसे करेंगे ? न तो मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार है और न ही दिल्ली में। विकास तो मामा और मोदी ही कर सकते हैं।

गुना नगरपालिका क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे सभी 37 भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को साफ करने का आव्हान किया है। नगरपालिका को विकास का महत्वपूर्ण जरिया बताते हुए शिवराज सिंह ने तमाम योजनाएं गिनाईं। जिनसे लोग सीधे लाभान्वित होते हैं। इनमें पीएम आवास का कई बार जिक्र किया गया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि जब 15 महीने के लिए कमलनाथ सरकार प्रदेश में आई थी तो प्रधानमंत्री मोदी ने 2 लाख आवास का पैकेज भेजा था। लेकिन कमलनाथ ने 40 प्रतिशत अनुदान बचाने के लिए 60 प्रतिशत राशि को वापस कर दिया। यह गरीबों के साथ अन्याय था।

भाजपा सरकार किसी भी गरीब को झोपड़ी में नहीं रहने देगी। सभी को पक्के आवास दिए जाएंगे। बुलडोजर छवि को पसंद कर रहे शिवराज ने गुंडा-माफिया को चेतावनी दी कि अगर मध्यप्रदेश में रहना है तो कायदे से रहना होगा। इसी तरह बेटियों के साथ अन्याय करने वालों के घरों पर बुलडोजर चलाने की चेतावनी भी सीएम दे गए। शिवराज सिंह चौहान ने मकान बनाने के लिए जगह की कमी पर चिंता जताई और घोषणा की है कि आने वाले दिनों में गांवों में प्लॉट दिए जाएंगे, जबकि शहरों में मल्टी बनाकर लोगों को आवास सरकार देगी।

सीएम शिवराज सिंह लक्ष्मीगंज में आयोजित सभा के दौरान चिर-परिचित अंदाज में दिखे। धारा प्रवाह उद्बोधन देते हुए सीएम ने कहाकि अब मध्यप्रदेश में धन्नू, पन्ना, कल्लू, मन्ना और जुम्मन के बेटे भी डॉक्टर बन सकेंगे।

सीएम ने आरोप लगाया कि आजादी के 75 साल बाद भी कांग्रेस अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त नहीं हुई थी। इसलिए मेडीकल और इंजीनियर जैसी पढ़ाई अंग्रेजी में कराई जा रही थी। इसे मध्यप्रदेश में भी बदला जाएगा। सभी कॉलेजों में हिंदी विषय भी छात्र चुन सकेंगे।

वहीं रोजगार के मुद्दे पर अब तक बचते नजर आए शिवराज ने इस विषय पर खुलकर बात रखी और स्वरोजगार योजना के तहत प्रदेश के 25 लाख लोगों को लोन दिलाने की बात कही है। इसके साथ ही अगले साल एक लाख से अधिक सरकारी भर्तियों का भी ऐलान मुख्यमंत्री कर गए। मंच पर प्रदेश के पंचायत मंत्री महेंद्र सिंह सिसौदिया से एक नहीं बल्कि कई मुखातिब होते हुए शिवराज ने कहाकि सिसौदिया कमलनाथ के चंगुल में फंस गए थे, यह खुद वहां परेशान थे।

लोगों ने बीजेपी की गंदी राजनीति को हराया, हमारे अच्छे कार्यों को सराहा : केजरीवाल

नई दिल्ली, 26 जून (एजेन्सी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को राजेंद्र नगर विधानसभा उपचुनाव में अपनी पार्टी की जीत को भाजपा की गंदी राजनीति की हार'' बताया। उन्होंने इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों की ''सराहना'' करने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। अधिकारियों ने बताया कि आम आदमी पार्टी (आप) के दुर्गेश पाठक ने उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार राजेश भाटिया को 11,000 से अधिक मतों से हराया। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रणबीर सिंह ने कहा, ''मतगणना के सभी 16 दौर पूरे हो चुके हैं। आप उम्मीदवार दुर्गेश पाठक ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी (भाजपा के) राजेश भाटिया को 11,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया है।''

केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''राजेंद्र नगर के लोगों का दिल से आभार। दिल्ली के लोगों के इस अथाह स्नेह और प्रेम का मैं आभारी हूँ। यही हमें और अधिक मेहनत एवं सेवा करने की प्रेरणा देता है।'' उन्होंने लिखा, ''लोगों ने उनकी गंदी राजनीति को हराया और हमारे अच्छे काम को सराहा। शुक्रिया राजेंद्र नगर, शुक्रिया दिल्ली।'' आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी पाठक को बधाई दी और कहा कि चुनाव परिणाम बताते हैं कि केजरीवाल लोगों के दिलों में बसते हैं। उन्होंने ट्वीट किया, ''ख़्यारे भाई दुर्गेश पाठक को राजेंद्र नगर विधानसभा से विधायक चुने जाने पर बहुत-बहुत बधाई। आप के सभी कार्यकर्ता साथियों को भी जीत की बधाई। दिल्ली की जनता के दिल में अरविंद केजरीवाल जी का जलवा है।''

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पाठक को 40,319 जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाटिया को 28,851 वोट मिले। जीत का अंतर 11,468 वोट रहा। उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रेम लता को महज 2,014 वोट मिले। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने भी विजयी उम्मीदवार को बधाई देते हुए कहा कि परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि लोगों ने मुख्यमंत्री केजरीवाल द्वारा किए गए कार्यों के लिए मतदान किया। राजेंद्र नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक राघव चड्ढा के पंजाब से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया था। चड्ढा ने भी पाठक को जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में पार्टी की जीत 'केजरीवाल के शासन मॉडल' पर मुहर'' है। उन्होंने ''एक बार फिर ख़्यार और आशीर्वाद बरसाने'' के लिए निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद दिया। चड्ढा ने ट्वीट किया, ''मेरे भाई दुर्गेश पाठक को शुभकामनाएं। मैं मशाल उन्हें सौंपता हूं।''

शिवसेना कार्यकर्ताओं ने बागी विधायकों के खिलाफ प्रदर्शन किया, कहा गद्दारों' को माफ नहीं किया जाएगा

मुंबई, 26 जून (एजेन्सी)। महाराष्ट्र सरकार में शिवसेना के मंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य की बगावत के बाद उपजे राजनीतिक संकट के बीच पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के वफादरों ने मुंबई में रविवार को बाइक रैली निकाली, जबकि पुणे में असंतुष्टों के खिलाफ प्रदर्शन किया। शिवसेना की पुणे इकाई के प्रमुख गजानन ठारकुडे के नेतृत्व में पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने बालगंधर्व सभागार और कोथुरूड में जूते मारो' प्रदर्शन किया और बागियों के खिलाफ नारेबाज़ी की। पार्टी कार्यकर्ता शिंदे की तस्वीर को जूते से मारते हुए दिखे।

ठारकुडे ने कहा, ये विरोध प्रदर्शन यह संदेश देने के लिए हैं कि शिवसैनिक गद्दारों को माफ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी पार्षदों, स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। ठारकुडे ने कहा कि ठाकरे के समर्थन में एक बाइक रैली भी आयोजित की गई थी। पार्षद विशाल धनवड़े के नेतृत्व में शिवसेना कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री ठाकरे को धोखा देने के लिए शनिवार को कटराज इलाके में बागी विधायक तानाजी सावंत के कार्यालय में शनिवार को तोड़फोड़ की थी। इस बीच, मुंबई में, शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' के प्रभादेवी इलाके में स्थित कार्यालय के बाहर महिलाओं सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता जमा हुए और उन्होंने बाइक रैली निकाली और शिंदे तथा अन्य बागी विधायकों के खिलाफ नारेबाज़ी की।

रैली में शामिल शिवसेना के एक समर्थक ने कहा, हिंदुत्व उद्धव ठाकरे के साथ है। बागी विधायकों को अगर कुछ कहना है तो उन्हें गुवाहाटी में बैठने के बजाय मुंबई आ जाना चाहिए। अन्य कार्यकर्ता ने कहा, शिवसेना बालासाहेब ठाकरे की है। कोई दूसरा उस पर दावा नहीं कर सकता। हम यहां उद्धव ठाकरे का समर्थन करने के लिए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि रैली को देखते हुए मुंबई पुलिस ने इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी है। इस बीच, भायखला सीट से विधायक यामिनी जाधव का नाम लिखे एक साइनबोर्ड पर स्याही पोत दी गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि बोर्ड भायखला पुल के नीचे स्थित है। जाधव बागी विधायकों में शामिल हैं।

यूपी में बसपा ने जनाधार खो दिया, अब आरपीआई लेगी उसकी जगह : आठवले

लखनऊ, 26 जून (एजेन्सी)। रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया के अध्यक्ष और केन्द्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी ने अब अपना जनाधार खो दिया है। चार बार सत्ता में रही बसपा अब हाशिये पर आ गई है। उन्होंने कहा कि बसपा ने उत्तर प्रदेश में उनकी जगह पर कब्जा किया था अब उनकी पार्टी इस प्रदेश में प्रभुत्व जमाएगी। बहुत जल्द बसपा के तमाम प्रतिनिधि व नेता आरपीआई में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब उनकी पार्टी और मजबूत होगी और नवम्बर में रायबरेली रोड स्थित आवास विकास के मैदान में आरपीआई की रैली होगी, जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे।

हालांकि आठवले ने राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मु को समर्थन देने पर बसपा प्रमुख मायावती की सराहना भी की और उनके प्रति आभार भी जताया। रविवार को लखनऊ में योजना भवन में हुई प्रेसवार्ता में आठवले ने कहा बाकी सभी दलों को भी चाहिए कि वह विपक्ष में रहते हुए सकारात्मक राजनीति के तकाजे के तहत एक आदिवासी महिला को पहली बार देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचाने में समर्थन दें। हालांकि विपक्ष ने इस चुनाव में अपना उम्मीदवार खड़ा कर मुकाबला बना दिया है अच्छा होता कि इस चुनाव में द्रौपदी मुर्मु सभी दलों के सहयोग से निर्विरोध राष्ट्रपति चुनी जातीं।

फिर भी हमारी उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मु भारी मतों से चुनाव जीत कर राष्ट्रपति बनेंगी। रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवारों की जीत पर प्रतिक्रिया जताते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र और प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी की सरकार के विकास कार्यों की जीत है।

महाराष्ट्र प्रकरण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां के घटनाक्रम में अब यह तय होता जा रहा है कि भाजपा की अगुवाई में आरपीआई के साथ एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाला शिवसेना का धड़ा अगली सरकार बनाएगा। उन्होंने भाजपा नेतृत्व से आग्रह किया कि इस मामले में अब वह विलंब न करें। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में देवेन्द्र फणनवीस की अगुवाई में सरकार बनेगी और एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री बनेंगे तथा मंत्रिमण्डल में कम से कम एक मंत्री तो आरपीआई का भी रहेगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से उद्धव ठाकरे को बाला साहब ठाकरे का नाम लेने का अधिकार है उसी तरह एकनाथ शिंदे को भी यह अधिकार हासिल है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति में तोड़फोड़ में भाजपा का कोई हाथ नहीं है बल्कि शिवसेना के संजय राउत जरूर गुवाहाटी गए शिवसेना के विधायकों को डरा-धमका रहे हैं।

पटना एयरपोर्ट से 30 घंटे बाद भी नहीं उड़ा स्पाइस जेट का विमान, यात्रियों का हंगामा

पटना, 26 जून (का.सं.)। बिहार की राजधानी पटना के एयरपोर्ट से गुवाहाटी जाने वाले स्पाइस जेट के विमान की तकनीकी गड़बड़ी को 30 घंटे बाद भी ठीक नहीं किया जा सका है। यह विमान अब भी पटना एयरपोर्ट की पार्किंग में खड़ा है, जहां विमानन कंपनी के विशेषज्ञ इंजीनियर इसे दुरुस्त करने में लगे हैं। इधर, नागर विमानन निदेशालय की टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हफ्ते भर के भीतर एक ही विमानन कंपनी का संरक्षा से जुड़ा दूसरा मामला सामने आने पर निदेशालय के अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लिया है। विमानन कंपनी से डीजीसीए ने रिपोर्ट मांगी है।

हालांकि घटना के बाद ही स्पाइस जेट की ओर से विमान को उड़ान से रोकने के पीछे की वजहों की जानकारी दी गई थी। पूरे मामले पर पटना एयरपोर्ट के अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है और किसी तरह के संवाद से बच रहे हैं, जबकि पटना से जाने वाले यात्रियों की फजीहत जारी है। यात्रियों ने बताया कि रविवार रात साढ़े नौ बजे दूसरी फ्लाइट से उन्हें गुवाहाटी भेजने की बात विमानन कंपनी के प्रतिनिधियों ने कही है। रविवार को उड़ान का इंतजार कर रहे यात्रियों की विमानन कंपनी के प्रतिनिधि के साथ कई बार नोकझोंक भी हुई। एयरपोर्ट पर इस दौरान हंगामे की स्थिति बनी। सीआईएसएफ बलों ने यात्रियों को समझाकर शांत कराया।

शनिवार को दिन के सवा तीन बजे इस विमान के पटना के रनवे से गुवाहाटी के लिये उड़ान भरने से ठीक पहले पायलट को विमान के दरवाजे से ऑक्सीजन लीक होने का पता चला था।

टैक्सी बे की ओर विमान के ले जाने के बाद पायलट को कॉकपिट में फ्यूजलेज डोर चेतावनी लाइट जलती दिखी थी, जिसके बाद विमान को पार्किंग एरिया में लौटाना पड़ा था। पटना एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि विमान की तकनीकी गड़बड़ी को रविवार की शाम तक दुरुस्त नहीं किया जा सका था।

हालांकि, इसे ठीक करने के लिए दूसरे शहरों से आई इंजीनियरों की टीम शनिवार से लेकर रविवार शाम तक लगातार काम करती रही। शनिवार से ही इस विमान से सफर का इंतजार कर रहे यात्री 30 घंटे से ज्यादा समय बीतने पर आक्रोश जताते दिखे। यात्रियों ने बताया कि विमानन कंपनी द्वारा उन्हें दूसरे विमान से भेजे जाने की बात बार बार कही जा रही थी हालांकि बार बार समय पुनर्निधारित किया जाता रहा।

2024 के लिए यूपी की जनता ने दिया स्पष्ट संदेश : सीएम योगी

लखनऊ, 26 जून (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में मिली जीत को 2024 में होने वाले आम चुनाव के लिए जनता का संदेश बताया है। सीएम योगी ने कहा कि यह जीत भाजपा की नीतियों और पीएम मोदी के लिए लोगों के विश्वास का परिणाम है।

दोनों सीटों पर रिजल्ट घोषित होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस करते हुए सीएम योगी ने बिना नाम लिये अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर भी हमला बोला। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश की जनता ने दंभी, नकारात्मक सोच रखने वालों और परिवारवादी ताकतों को स्पष्ट संदेश दिया है। जनता अब परिवारवादियों, जातिवादियों और पेशेवर माफियाओं को प्रश्रय देने वाले राजनीतिक दलों को स्वीकार करने वाली नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने नेतृत्व में भाजपा ने सबका साथ, सबका विकास करते हुए सबके विश्वास को अर्जित किया है। यह जनादेश उसी विश्वास का परिणाम है। योगी ने कहा कि यह चुनाव पीएम मोदी के विजन को आगे बढ़ाने का अभियान है। 2024 में विजयश्री के लिए यह दूरगामी संदेश भी है। 2024 में यूपी में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ जीतेगी। भाजपा यूपी की 80 में से 80 सीटें जीतेगी। आज के विजय में यह संदेश स्पष्ट रूप से आया है।

सीएम योगी ने कहा कि दोनों चुनौतीपूर्ण लड़ाई को भाजपा ने जीत में बदलकर 2024 के लिए एक दूरगामी संदेश दे दिया है। मोदी के नेतृत्व में सरकार की सकारात्मक, सर्वसमावेशी और कल्याणकारी योजनाओं, गांव, गरीब, किसान, महिलाएं और समाज के हर वर्ग के लिए जो काम किए गए हैं वो जनता ने हाथों हाथ लिए हैं। उत्तर प्रदेश के अंदर लोकसभा के दो उपचुनाव में डबल इंजन की भाजपा सरकार ने डबल जीत प्राप्त की है। आदरणीय प्रधानमंत्री का यशस्वी नेतृत्व, प्रदेश भाजपा का नेतृत्व और कार्यकर्ताओं का साथ लगातार डबल इंजन की भाजपा सरकार को प्राप्त हुआ है।

इससे पहले योगी ने ट्वीट करके कहा कि रामपुर लोकसभा सीट पर उपचुनाव में मिली विजय आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में जन-कल्याणकारी नीतियों पर डबल इंजन की भाजपा सरकार के प्रति आमजन के विश्वास की मुहर है।

लगातार दो ट्वीट करते हुए सीएम योगी ने लिखा यह विजय भाजपा के यशस्वी नेतृत्व और समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम व डबल इंजन की भाजपा सरकार द्वारा स्थापित सुशासन का सुफल है। रामपुर की जनता का हृदय की गहराइयों से आभार!

यूपी उपचुनाव में भाजपा की जीत के बाद ओवैसी का सपा पर तंज, बोले- इनमें कुव्वत नहीं

नई दिल्ली, 26 जून (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश की आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के बाद एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भी सपा पर तंज कसा है।

उन्होंने कहा कि इस जीत ने दिखा दिया है कि समाजवादी पार्टी में भाजपा को हराने की ताकत नहीं है। रामपुर सीट पर भाजपा के घनश्याम लोधी ने सपा के प्रतिद्वंद्वी को 42 हजार वोटों से हरा दिया। वहीं आजमगढ़ लोकसभा सीट पर दिनेश लाल यादव निरहुआ ने 9060 वोटों से जीत हासिल की।

ओवैसी ने एक ट्वीट में लिखा, 'रामपुर और आज़मगढ़ चुनाव के नतीजे से साफ़ ज़ाहिर होता है कि सपा में भाजपा को हराने की न तो क़ाबिलियत है और ना क़ुव्वत। मुसलमानों को चाहिए कि वो अब अपना क़ीमती वोट ऐसी निकम्मी पार्टियों पर ज़ाया करने के बजाये अपनी खुद की आज़ाद सियासी पहचान बनाए और अपने मुक़द्दर के फ़ैसले ख़ुद करे।'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी जीत के बाद जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह जनता का डबल इंजन की सरकार में भरोसा है। आदित्यनाथ ने कहा, 'जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों पर भरोसा जताया है।' उन्होंने कहा कि जनता ने 2024 के आम चुनाव के लिए अपना संदेश दे दिया है।

रामपुर लोकसभा सीट पर सपा के चुनाव हारने से आजम खान को बड़ा झटका लगा है। विधानसभा चुनाव जीतने से पहले वह यहां से सांसद थे। वहीं इस बार के उपचुनाव में भी उन्होंने प्रचार में पूराज जोर लगाया था। लोधी ने हाल ही में भाजपा जॉइन की थी। सपा के प्रत्याशी आसिम रजा का चयन आजम खान ने ही किया था। यहां से बहुजन समाजपार्टी ने चुनाव नहीं लड़ा था।

वहीं आजमगढ़ से सपा ने धर्मेंद्र यादव को टिकट दिया था। बीएसपी ने शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को उतारा था। आजमगढ़ उपचुनाव में कुल 13 उम्मीदवार थे। अखिलेश यादव के लिए यह बड़ा झटका इसलिए है क्योंकि अखिलेश यादव यहां से सांसद थे। विधायक बनने के बाद उन्होंने इस सीट से इस्तीफा दे दिया था।

सेना से वापसी के बाद शादी तक को तरसेंगे अग्निवीर, वापस लो अग्निपथ स्कीम : सत्यपाल मलिक

नई दिल्ली, 26 जून (एजेन्सी)। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने केंद्र की ओर से सेना में भर्ती के लिए लाई गई नई 'अग्निपथ' स्कीम का विरोध करते हुए रविवार को कहा कि सरकार को इस योजना पर पुनर्विचार करना चाहिए। मलिक ने कहा कि छह महीने तक जवान ट्रेनिंग लेगा, छह महीने की छुट्टी और तीन साल की नौकरी करने के बाद जब वह घर लौट आएगा तो उसकी शादी भी नहीं होगी।

रविवार को यूपी के बागपत के खेकड़ा में में शिक्षक नेता गजे सिंह धामा की मौत के बाद उनके आवास पर मलिक शोक संवेदना प्रकट करने पहुंचे थे। बाद में मीडिया से बातचीत में राज्यपाल मलिक ने कहा कि अग्निपथ योजना जवानों के खिलाफ है, यह उनकी उम्मीदों के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले उन्होंने किसानों की बात रखी थी और अब जवानों की बात रख रहे हैं।

आप पद से इस्तीफा देकर किसानों और युवाओं के बीच में आकर बैठते और मुखर होते तो ज्यादा असर पड़ता? इस सवाल के जवाब में सत्यपाल मलिक ने कहा, 'मैं आप जैसे सलाहकारों के चक्कर में पड़ता तो यहां तक पहुंचता ही नहीं। फिर उन्होंने आगे कहा कि कुर्सी छोड़ दूंगा एक मिनट में अगर जिसने मुझे बनाया है वह कह दे।' मलिक जम्मू-कश्मीर के उपराज्यल भी रह चुके हैं।

भविष्य की योजना के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मेरा इरादा राजनीति करने और चुनाव लड़ने का नहीं है। किसानों और जवानों के लिए जहां जरूरत होगी संघर्ष करूंगा। मलिक ने कहा कि वह कश्मीर पर किताब भी लिखेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या रिटायरमेंट होने के बाद केन्द्र सरकार के खिलाफ खुलकर आंदोलन की अगुवाई करेंगे? मलिक ने कहा कि बात सरकार के विरोध की नहीं है, मैं जो मुद्दा उठा रहा हूं, वह अगर मान लिया जाये तो वह सरकार के पक्ष की ही बात होगी।

आपातकाल के भयावह दौर को कभी न भूले युवा पीढ़ी : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 26 जून (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। यह मासिक रेडियो कार्यक्रम का 90वां एपिसोड रहा। मोदी ने इस दौरान आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा, 'क्या आपको पता है कि आपके माता-पिता जब आपकी उम्र के थे तो एक बार उनसे जीवन का भी अधिकार छीन लिया गया था! आप सोच रहे होंगे कि ऐसा कैसे हो सकता है? ये तो असंभव है। लेकिन मेरे नौजवान साथियो, हमारे देश में एक बार ऐसा हुआ था। ये बरसों पहले 1975 की बात है। जून का वही समय था, जब इमरजेंसी लगाई गई थी।

मोदी ने कहा, 'अमृत महोत्सव सैकड़ों वर्षों की गुलामी से मुक्ति की विजय गाथा ही नहीं, बल्कि आजादी के बाद के 75 वर्षों की यात्रा भी समेटे हुए है। इतिहास के हर अहम पड़ाव से सीखते हुए ही हम आगे बढ़ते हैं। आज जब देश अपनी आजादी के 75 वर्ष का पर्व मना रहा है, अमृत महोत्सव मना रहा है, तो आपातकाल के उस भयावह दौर को भी हमें कभी भी भूलना नहीं चाहिए। आने वाली पीढ़ियों को भी भूलना नहीं चाहिए। इमरजेंसी के दौरान देशवासियों के संघर्ष का गवाह रहने का, साझेदार रहने का सौभाग्य मुझे भी मिला था।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'उस समय भारत के लोकतंत्र को कुचल देने का प्रयास किया गया था। देश की अदालतें, हर संवैधानिक संस्था, प्रेस, सब पर नियंत्रण लगा दिया गया था। सेंसरशिप की ये हालत थी कि बिना स्वीकृति कुछ भी छापा नहीं जा सकता था। मुझे याद है, तब मशहूर गायक किशोर कुमार जी ने सरकार की वाह-वाही करने से इनकार किया तो उन पर बैन लगा दिया गया। रेडियो पर से उनकी एंट्री ही हटा दी गई।'

पीएम मोदी ने कहा, 'मेरे ख्रयारे देशवासियो, हम में से शायद ही कोई ऐसा हो, जिसने अपने जीवन में आकाश से जुड़ी कल्पनाएं न की हों। बचपन में हर किसी को आकाश के चांद-तारे उनकी कहानियां आकर्षित करती हैं। युवाओं के लिए आकाश छूना, सपनों को साकार करने का पर्याय होता है। आज हमारा भारत जब इतने सारे क्षेत्रों में सफलता का आकाश छू रहा है, तो आकाश, या अन्तरिक्ष, इससे अछूता कैसे रह सकता है! बीते कुछ समय में हमारे देश में स्पेस सेक्टर से जुड़े कई बड़े काम हुए हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैं आज भारत की सर्वाधिक प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में एक मिताली राज की भी चर्चा करना चाहूंगा। उन्होंने इसी महीने क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है, जिसने कई खेल प्रेमियों को भावुक कर दिया है। मिताली, महज एक असाधारण खिलाड़ी नहीं रही हैं, बल्कि अनेक खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी रही हैं। मैं मिताली को उनके भविष्य के लिए ढ़ेर सारी शुभकामनाएं देता हूं।'

बेटा राज धर्म का पालन करेगा, मैं अपने राष्ट्र धर्म का : यशवंत सिन्हा

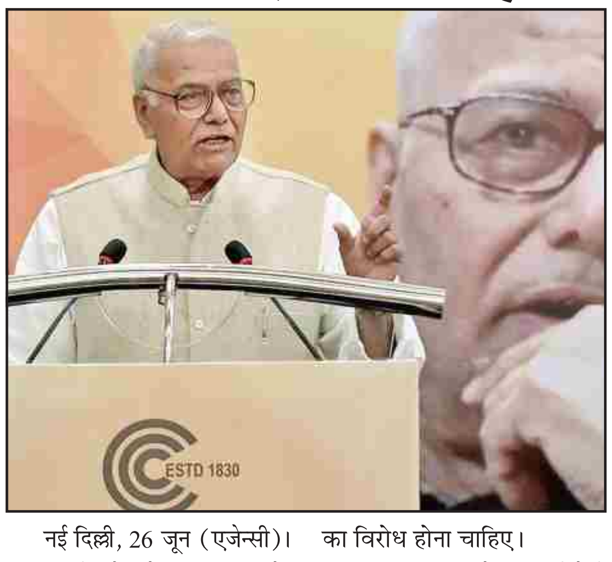

नई दिल्ली, 26 जून (एजेन्सी)। विपक्ष की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने रविवार को कहा कि 18 जुलाई राष्ट्रपति चुनाव व्यक्तिगत मुकाबले से कहीं अधिक है और सरकार की सत्तावादी प्रवृत्ति का विरोध करने की दिशा में एक कदम है। चुनाव में अपने बेटे और बीजेपी सांसद जयंत सिन्हा के समर्थन को लेकर उन्होंने कहा कि वह अपने राज धर्म का पालन करता है, मैं अपने राष्ट्र धर्म का पालन करूंगा।

यशवंत सिन्हा ने कहा, वह अपने बेटे और बीजेपी सांसद जयंत सिन्हा का समर्थन नहीं मिलने को लेकर किसी भी धर्म संकट में नहीं हैं। वह अपने राज धर्म का पालन करता है, मैं अपने राष्ट्र धर्म का पालन करूंगा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल भारत के राष्ट्रपति के चुनाव से अधिक है। यह चुनाव सरकार की सत्तावादी नीतियों का विरोध करने की दिशा में एक कदम है। यह चुनाव भारत के लोगों के लिए एक संदेश है कि इन नीतियों का विरोध होना चाहिए।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए बीजेपी नीत एनडीए ने आदिवासी नेता द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामित किए जाने पर, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक व्यक्ति को ऊपर उठाना पूरे समुदाय का उत्थान सुनिश्चित नहीं करता है और बीजेपी की ओर से द्रौपदी मुर्मू का मैदान में उतारना राजनीतिक प्रतीकवाद से ज्यादा कुछ नहीं है।

यशवंत सिन्हा ने कहा, 'सार्वजनिक जीवन के अपने लंबे अनुभव से, मैं कह सकता हूं एक व्यक्ति का उत्थान पूरे समुदाय को नहीं बढ़ाता है। पूरे समुदाय का उत्थान सरकार की ओर से अपनाई जाने वाली नीतियों पर निर्भर करता है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस पर और टिख्रपणी किए बिना, मैं कहूंगा कि हमारे अपने इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां एक समुदाय में एक व्यक्ति के उत्थान ने उस समुदाय को एक इंच ऊपर खींचने में मदद नहीं की है। यह अधिक प्रतीकात्मक है और कुछ नहीं।'

त्रिपुरा उपचुनाव में बीजेपी का 4 में से 3 सीटों पर कब्जा, मुख्यमंत्री माणिक साहा भी जीते

अगरतला, 26 जून (एजेन्सी)। त्रिपुरा में चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा को तीन और कांग्रेस को एक सीट पर जीत मिली है। त्रिपुरा की सीएम व बीजेपी के उम्मीदवार माणिक साहा ने टाउन बारदोवली सीट पर हुए उपचुनाव में 6,104 वोटों के अंतर से जीत हासिल की है। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी है। माणिक साहा को 17,181 मत मिले, जो क्षेत्र में पड़े कुल वोटों का 51.63 प्रतिशत है। वहीं, कांग्रेस के आशीष कुमार साहा को 11,077 वोट हासिल हुए, जो कुल वोटों का 33.29 प्रतिशत है। वाम मोर्चे की तरफ से फॉरवर्ड ब्लॉक के उम्मीदवार रघुनाथ सरकार तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने 3,376 (10.15 फीसदी) वोट हासिल किए। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, ''जिन लोगों ने मुझे वोट दिया, मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं। यह भाजपा कार्यकर्ताओं की जीत है। मुझे उम्मीद थी कि अंतर थोड़ा अधिक होगा। हालांकि, परिणाम माकपा और कांग्रेस के बीच मिलीभगत को साबित करते हैं। हम भविष्य में भी इसी तरह काम करेंगे। लोगों ने मिलीभगत को नकार दिया है।'' उन्होंने कहा, ''हमने कई सालों तक राज्य में चुनाव के बाद हिंसा देखी है, इसलिए हमने लोगों से ऐसी चीजों से दूर रहने का आग्रह किया है। लोगों का विश्वास सबसे महत्वपूर्ण है, और हम चाहेंगे कि उन्हें किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। मैं विपक्षी दलों से भी शांति बनाए रखने का अनुरोध करता हूं।'' तत्कालीन मुख्यमंत्री बिप्लब देब के अचानक इस्तीफा देने के बाद राज्यसभा सांसद माणिक साहा को पिछले महीने राज्य का मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया था। मुख्यमंत्री बने रहने के लिए उन्हें यह उपचुनाव जीतना जरूरी था। नियमानुसार विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद अब वह सांसद के रूप में इस्तीफा दे देंगे। आशीष कुमार साहा के भाजपा विधायक के रूप में इस्तीफा देने और फरवरी में कांग्रेस में शामिल होने के बाद टाउन बारदोवली सीट पर उपचुनाव हुआ था।

इस जीत का बाद जहां भाजपा खेमे में उत्साह है, वहीं कांग्रेस को महज एक सीट से संतोष करना पड़ा है। अगरतला सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार सुदीप रॉय बर्मन को 3,163 मतों के अंतर से जीत मिली है। उन्हें 17,241 वोट मिले, जो डाले गए कुल वोट का 43.46 प्रतिशत हैं। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार अशोक सिन्हा को 14,268 (35.57 प्रतिशत) मत मिले। इस जीत के साथ ही रॉय बर्मन विधानसभा में कांग्रेस के एकमात्र विधायक बन गए हैं। साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी।

विधानसभा में बहाल ......

शामिल करते हुए एक समिति के गठन की मांग के संबंध में 8 मई 2022 को पारित प्रस्तावों के बारे में लोगो को अवगत कराया गया। कार्यक्रम को अध्यक्ष भरत बस्नेत, मुख्य संरक्षक छितेन टाशी भूटिया, प्रवक्ता व महासचिव पासंग शेरपा, राज्य समन्वयक सोनम छिरिंग शेरपा ने संबोधित किया।

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध ....

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए डीबी गुरुंग ने अपने संबोधन में कहा कि हर बच्चे को बहुत कम उम्र में ही आध्यात्मिक और मानसिक रूप से अच्छी तरह से शिक्षित होना चाहिए। वे बच्चे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य हैं और वही राष्ट्र का निर्माण करते हैं। उन्होंने सारथी के कार्यों की सराहना की और उन्हें बधाई दीं। एक सफल व्यक्ति बनने के लिए दिनचर्या का पालन करना चाहिए और व्यस्त कार्यक्रम में संलग्र होना चाहिए।

डीसी सोरेंग ने दवाओं की श्रेणी, दवा एवं इसके उपयोग के बारे में भी बात की। उन्होंने सिक्किम पुलिस और बीडीओ को परित्यक्त सरकारी कार्यालयों और घरों में गश्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद बहुत महत्वपूर्ण है। पी-पेरेंटिंग, आर-रिहैबिलिटेशन, ई-इंगेजिंग और एम-मोटिवेट अर्थात "प्रेम' हर नशे की लत वाले लोगों के जीवन में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

एसपी सोरेंग ने कहा कि ड्रग्स का दुरुपयोग अवैध है। उन्होंने एनडीपीएस और एसएडीए अधिनियम के बारे में भी जानकारी दी। वहां ड्रग्स में दो पक्ष हैं-आपूर्ति और मांग है जिस पर पुलिस विभाग अभी भी काम कर रहा है। इसे आदि व्यक्तियों को इस लत से छुटकारा दिलाने में समुदाय एवं परिवार की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण होती हैं।

डॉ. भूषण दाहाल ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया भर में 1.9 लाख से अधिक युवा मादक द्रव्यों के सेवन से प्रभावित हैं। व्यक्ति के जीवन में एक समय ऐसा आता है जिसे किशोरावस्था कहा जाता है, जहां युवा ड्रग्स के बारे में जानने के लिए उत्सुक हो जाते हैं जो एक बड़ी आपदा की ओर ले जाता है। उन्होंने नशे के दुष्परिणामों के बारे में भी बताया।

सारथी अध्यक्ष पश्चिम जिला ने कहा कि सारथी मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) द्वारा राज्य में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को खत्म करने के लिए की गई एक पहल है। उन्होंने सभाओं से नशीली दवाओं के दुरुपयोग और आत्महत्या की प्रवृत्ति के बारे में जागरुकता फैलाने का भी आग्रह किया। बाद में सारथी संगठन ने डीबी गुरुंग (अध्यक्ष एसबीएस), सहदेव शर्मा (मुख्य सलाहकार सारथी) और लाक्पा मोक्तान (राज्य युवा अध्यक्ष) को प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया।

बागी विधायकों को आदित्य ठाकरे की चेतावनी

'हवाईअड्डे से विधान भवन तक जाने वाली सड़क वर्ली से होकर गुजरती है'

मुंबई, 26 जून (एजेन्सी)। शिवसेना के नेता और महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे ने गुवाहाटी में मौजूद पार्टी के बागी विधायकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि मुंबई हवाईअड्डे से विधान भवन तक जाने वाली सड़क वर्ली से होकर गुजरती है। मुंबई का वर्ली इलाका पारंपरिक रूप से शिवसेना का गढ़ रहा है, जहां से आदित्य ठाकरे विधायक हैं। शिवसेना अध्यक्ष और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य (30) ने शनिवार शाम पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी में 'बागियों' के लिए कोई जगह नहीं है।

उन्होंने महाराष्ट्र में चल रहे राजनीतिक संकट के बीच यह बयान दिया, जो वरिष्ठ मंत्री एकनाथ शिंदे के विद्रोह से उत्पन्न हुआ है। शिवसेना के अधिकांश विधायकों ने शिंदे का समर्थन किया है और वे फिलहाल भाजपा शासित राज्य असम के गुवाहाटी में डेरा डाले हुए हैं। शिंदे और उनके समूह ने दावा किया है कि वे ''असली शिवसेना'' का प्रतिनिधित्व करते हैं।

विद्रोही समूह ने कहा है कि उसे विधायक दल में दो-तिहाई बहुमत प्राप्त है और वह सदन में अपनी शक्ति साबित करेगा। असंतुष्टों ने अपने समूह का नाम ''शिवसेना (बालासाहेब)'' रखा है। आदित्य ने अपने संबोधन में कहा, ''हवाईअड्डे से विधान भवन तक का रास्ता वर्ली से होकर गुजरता है। अच्छा हुआ कि बागी (शिवसेना से) चले गए। पार्टी में विद्रोहियों के लिए कोई जगह नहीं है।''

बीजेपी के चक्रव्यूह में चकनाचूर हो गया आजम का किला

रामपुर, 26 जून (एजेन्सी)। भाजपा के चक्रव्यूह में सपा के कद्दावर नेता मोहम्मद आजम खां का दुर्ग चकनाचूर हो गया। क्योंकि, इस चुनाव में भले ही आसिम राजा प्रत्याशी थे लेकिन, चुनाव आजम बनाम सरकार था। पूरे चुनाव प्रचार में यह नजारा दिखाई दिया था। सपा के कद्दावर नेता मोहम्मद आजम खां वर्ष 2019 में भाजपा प्रत्याशी जयाप्रदा नाहटा को पराजित कर पहली बार लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। यह बात अलग है कि योगी सरकार ने शिकंजा कसा और आजम खां पत्नी-बेटे के साथ 26 फरवरी 2020 को जेल चले गए लेकिन, 2022 के विधानसभा चुनाव में आजम खां ने जेल से चुनाव लड़ा और रामपुर से दसवीं बार विधायक चुने गए। जिसके बाद उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। अब जब यहां उप चुनाव है तो आजम ने अपने बेहद करीबी आसिम राजा को प्रत्याशी बनाया था। उनके मुकाबले भाजपा से पूर्व एमएलसी घनश्याम सिंह लोधी प्रत्याशी थे।

आजम अपने करीबी को जिताने और अपनी परंपरागत सीट को काबिज रखने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे थे। रोजाना सभाएं हो रही थीं। आसिम को राजा बनाने की अपील कर रहे थे तो दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी घनश्याम सिंह लोधी को विजय बनाने के लिए भाजपा ने प्रदेश सरकार के तमाम मंत्रियों, डिख्रटी सीएम यहां तक की मुख्यमंत्री तक को चुनाव प्रचार में उतार दिया था। प्रचार के दौरान हालात ये हो गए थे कि चुनाव आजम बनाम सरकार लगने लगा था। हर किसी की जुबां पर यही बात थी।

करीब 27 माह जेल में रहने के चलते आजम की टीम पूरी तरह से बिखर चुकी थी लेकिन, पूर्व मंत्री एवं शहर विधायक आजम खां ने जेल से आने के बाद फिर टीम को एकजुट करना शुरू किया। आजम खां ने खुद हर तहसील में जाकर जनसभाएं की। अंतिम दिन तो उन्होंन हेलीकाप्टर से तीन सभाएं कीं। हर जगह आजम ने अपना दर्द सुनाया और भावनात्मक अपील की। इसके बाद जब पोलिंग वाले दिन मतदान कम हुआ, तो आजम खां ने प्रशासन पर सीधे-सीधे हमला बोल दिया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट तक जाने की चेतावनी दी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बिलासपुर और पटवाई में दो जनसभाएं दीं तो डिख्रटी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने स्वार के मसवासी और चमरौआ के मुरसैना में जनसभाएं कीं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद, पंचायतीराज मंत्री भूपेंद्र सिंह, औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सैनी, कारागार मंत्री धर्मवीर प्रजापति, कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल, राज्यमंत्री बलदेव औलख, विकास गुप्ता, अनूप प्रधान, संदीप सिंह बीएल वर्मा, राकेश सचान समेत तमाम नेता डेरा डाले रहे।

सपा नेता मोहम्मद आजम खान ने बताया, इंटरनेशल चीफ जस्टिस आएं और खुले मैदान में हो चुनाव तो हम चुनाव जीत जाएंगे। हम हार के बाद भी खुश हैं तुम जीत के बाद भी खुश नहीं हो। यह चुनाव था, इसे चुनाव कहते हैं। चुनाव हुआ ही कहां।

बागियों पर बरसे संजय राउत, बोले- जिंदा लाशें हैं 40 लोग, आत्मा मर गई

मुंबई, 26 जून (एजेन्सी)। महाराष्ट्र में सियासी संकट लगातार गहराता जा रहा है। रविवार को शिवसेना के आठवें मंत्री शिंदे गुट में शामिल होने पहुंच गए। इधर शिवसेना के दोनों गुटों में बैठकों का दौर जारी है। इसी बीच शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में जो 40 विधायक हैं उनकी आत्मा मर चुकी है। वे केवल जिंदा लाश की तरह बचे हैं। जब वे मुंबई आएंगे तो उन्हें सीधा पोस्टमॉर्टम के लिए विधानसभा भेजा जाएगा।

राउत ने कहा, उन 40 लोगों का शरीर आएगा लेकिन आत्मा मर चुकी होगी। ये लोग जब मुंबई पहुंचेंगे तो मन से जिंदा नहीं रहेंगे। उन्हें भी पता है कि यहां जो आग लगी है उसमें क्या हो सकता है।

उन्होंने कहा, जब गुवाहाटी के होटल की तस्वीरें देखता हूं तो लगता है कि यह बिग बॉस का घर है। लोग मजे कर रहे हैं। खा-पी रहे हैं और खेलकूद कर रहे हैं। कब तक गुवाहाटी में छिपेंगे, एक दिन मुंबई तो आना ही पड़ेगा।

बता दें कि उद्धव ठाकरे की सरकार को एक बड़ा झटका तब लगा जब उनके शिक्षा मंत्री उदय सामंत गुवाहाटी पहुंच गए। वह भी शिंदे गुट में शामिल हो गए। उन्हें ठाकरे का करीबी माना जाता था। बीते दिनों वह उनके साथ बने रहने का दावा भी कर रहे थे।

महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को ही शिंदे के साथ शिवसेना के 16 बागी विधायकों को अयोग्य घषित करने के लिए नोटिस जारी किया है। विधायकों से 27 जून तक जवाब मांगा गया है। इसके बाद शिंदे डिप्टी स्पीकर नरहरि जिरवाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। सोमवार को इन दोनों याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा।

अग्पिथ पर बोले कन्हैया कुमार, देश की सुरक्षा ठेके पर देने की तैयारी, बिहार में होगा सत्याग्रह

पटना, 26 जून (का.सं.)। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा है कि अग्निपथ योजना की आड़ में सेना में स्थायी भर्तियां बंद की जा रही हैं। देश की युवा पीढ़ी के साथ यह धोखा है। उनको अपमानित किया जा रहा है। मोदी सरकार चुपके-चुपके देश की सुरक्षा को ठेके पर देने की तैयारी कर रही है।

रविवार को सदाकत आश्रम में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कन्हैया ने कहा कि देश के नौजवान आंदोलनरत हैं, लेकिन पीएम ने एक अपील तक नहीं की। जब भी कोई बड़ा राजनीतिक संकट आता है, सेना को आगे कर दिया जाता है। वन रैंक-वन पेंशन स्कीम के बदले मोदी सरकार ने नो रैंक-नो पेंशन और ऑनली टेंशन कर दिया है। कहा कि देश के पहले सीडीएस जनरल विपिन रावत ने सेना में रिटारमेंट की उम्र बढ़ाने के लिए सरकार को चिट्ठी लिखी थी पर सरकार ने उनकी एक ना सुनी। चार साल की नौकरी में ग्रेच्युटी सहित अन्य योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा।

बिहार कांग्रेस प्रभारी भक्तचरण दास ने कहा कि देश के नौजवानों को चंद पूंजीपतियों का ग़ुलाम बनाया जा रहा है। अग्निवीर योजना के विरोध में कांग्रेस 27 जून को बिहार के सभी विधानसभा क्षेत्र में सत्याग्रह मार्च करेगी। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. मदन मोहन झा मौजूद थे।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR JUPITER SUNDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:82 DrawDate on:26/06/22
1st Prize ₹1 Crore/- 91D 81940
(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize Rs.1000/- 81940 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-
16078 19915 23120 27977 39586 52040 57445 83978 95609 98694

3rd Prize ₹450/-
0508 1242 1540 2097 4891 5192 5902 6304 7270 9337

4th Prize ₹250/-
0412 0484 2539 4838 5472 6961 7054 7494 8015 9083

5th Prize ₹120/-
0070 0195 0384 0450 0547 0603 0642 0664 0679 0697
0915 0975 1218 1418 1484 1531 1674 1941 1943 1949
1951 2077 2351 2358 2428 2493 2707 2805 3082 3129
3146 3251 3552 3684 3755 4024 4429 4499 4536 4641
4709 4726 4918 4965 5023 5153 5196 5257 5457 5608
5624 5629 5789 5890 5956 6153 6425 6513 6593 6606
6726 6826 6873 6918 6963 7013 7188 7351 7359 7497
7659 7673 7678 7749 7946 7967 7980 8045 8200 8504
8555 8569 8707 8785 8872 8928 8931 9036 9043 9198
9276 9281 9332 9367 9457 9564 9742 9759 9815 9931

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR HAWK EVENING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:182 DrawDate on:26/06/22
1st Prize ₹1 Crore/- 61E 46381
(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize Rs.1000/- 46381 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-
13920 15585 28196 33596 36657 38473 51189 54412 80261 97324

3rd Prize ₹450/-
0994 2061 2729 3095 5135 5964 9535 9626 9747 9802

4th Prize ₹250/-
0048 2262 2845 5015 6010 6515 6647 7746 8236 8531

5th Prize ₹120/-
0051 0222 0489 0608 0707 0857 0977 1086 1246 1702
1918 2106 2123 2130 2251 2297 2365 2388 2584 2771
2792 2916 2932 2983 3014 3054 3152 3158 3346 3360
3425 3438 3524 3647 3760 3895 4039 4089 4096 4133
4134 4281 4297 4458 4508 4605 4726 4777 4825 4828
4945 5532 5595 5652 5665 5705 5714 5752 5860 6210
6314 6340 6454 6720 7011 7196 7246 7361 7563 7649
7743 7747 7789 7866 7916 7945 7988 8073 8254 8394
8464 8521 8522 8585 8615 8626 8711 8727 9185 9309
9371 9403 9447 9483 9671 9703 9715 9771 9915 9998

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR HAWK EVENING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:182 DrawDate on:26/06/22
1st Prize ₹1 Crore/- 61E 46381
(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize Rs.1000/- 46381 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-
13920 15585 28196 33596 36657 38473 51189 54412 80261 97324

3rd Prize ₹450/-
0994 2061 2729 3095 5135 5964 9535 9626 9747 9802

4th Prize ₹250/-
0048 2262 2845 5015 6010 6515 6647 7746 8236 8531

5th Prize ₹120/-
0051 0222 0489 0608 0707 0857 0977 1086 1246 1702
1918 2106 2123 2130 2251 2297 2365 2388 2584 2771
2792 2916 2932 2983 3014 3054 3152 3158 3346 3360
3425 3438 3524 3647 3760 3895 4039 4089 4096 4133
4134 4281 4297 4458 4508 4605 4726 4777 4825 4828
4945 5532 5595 5652 5665 5705 5714 5752 5860 6210
6314 6340 6454 6720 7011 7196 7246 7361 7563 7649
7743 7747 7789 7866 7916 7945 7988 8073 8254 8394
8464 8521 8522 8585 8615 8626 8711 8727 9185 9309
9371 9403 9447 9483 9671 9703 9715 9771 9915 9998

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

ना हो हिंसा

किसी भी रोजगार योजना का ऐसा विरोध अभूतपूर्व व अफसोसनाक है। किसी योजना से असंतोष अपनी जगह है और उसके खिलाफ आंदोलन या अभिव्यक्ति का अधिकार भी सबको है, लेकिन हिंसा या कानून-व्यवस्था को अपने हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं होना चाहिए। यह दुखद तथ्य है कि देश में विरोध प्रदर्शनों के चलते सोमवार को 529 ट्रेनों को रद्द करना पड़ा। जिन लोगों की यात्रा प्रस्तावित होगी, जिनको कहीं आपात स्थिति में पहुंचना होगा, उन्हें कितनी परेशानी हुई होगी? रेलवे ने यह भी बताया है कि विरोध के मद्देनजर दिल्ली जाने वाली 71 ट्रेनों को भी रद्द कर दिया गया है। खास तौर पर पश्चिमी रेलवे जोन का बहुत बुरा हाल है। पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड जैसे राज्यों में विशेष रूप से सुरक्षा बढ़ानी पड़ी है। यह विडंबना ही है कि सरकारी नौकरी चाहने वाले युवा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। क्या विरोध का यही तरीका है? क्या किसी दूसरे शांतिपूर्ण तरीके से विरोध नहीं जताया जा सकता? हालांकि, यह भी अफसोस की बात है कि ऐसे हिंसक विरोध प्रदर्शन के पक्ष में किसी भी पार्टी को क्यों शामिल होना चाहिए? पूरे देश में इस मामले पर स्वाभाविक ही सियासत तेज हो गई है।

ध्यान रहे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इशारों में ही कहा है कि कुछ फैसले और सुधार भले ही शुरुआत में खराब लगते हैं, लेकिन लंबे वक्त में उनसे देश को फायदा होता है। अत: वास्तव में युवाओं को विश्वास में लेने के लिए फायदे गिनाने की जरूरत है। अगर युवाओं को बरगलाया जा रहा है, तो उन्हें रास्ते पर लाने की जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। यह ऐसा समय है, जब सरकारी विभागों को सजग होकर अपने-अपने स्तर पर युवाओं को समझाना चाहिए। जिन राज्यों में हिंसा हो रही है, उनकी सरकारों को कमर कस लेनी चाहिए, ताकि जल्दी से जल्दी सामान्य जनजीवन बहाल हो। इसमें कोई शक नहीं है कि हमारे देश में समाज का जो चरित्र बन गया है, उसमें किसी भी आंदोलन में असामाजिक तत्व उतर आते हैं। एकाधिक प्रमाण सरकार के हाथे लगे हैं। रविवार को सरकार ने फर्जी खबरें चलाने वाले 35 वाट्सएप समूहों पर पाबंदी लगाई है। ट्रेन पर पथराव करने व आगजनी के आरोपी युवाओं को गिरफ्तार करना पड़ रहा है। दरअसल, जब कोई हिंसा करता है, तब वह आम लोगों की सहज सहानुभूति को गंवा देता है। यह दुखद है कि इधर जितने भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, उनके साथ आम लोगों की स्वाभाविक सहानुभूति नहीं है। हिंसा करने वालों को अगर आप एक जगह रियायत देते हैं, तो फिर हर जगह रियायत देने की मांग उठने लगती है। अत: राज्य सरकारों द्वारा बरती जा रही कड़ाई को समझा जा सकता है।

बेशक, जो युवा शालीनता से अपनी बात रखना चाहते हैं, उनके प्रति सरकार में ममत्व या अभिभावक का भाव होना चाहिए। भला कौन इनकार करेगा कि युवाओं को रोजगार देना प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन उन्हें अनुशासन का संदेश देना भी उतना ही जरूरी है। हिंसा करने वाले युवा को भला कौन नौकरी पर रखना चाहेगा? अनेक युवा आज मानने लगे हैं कि किसी भी प्रकार से मकसद या लक्ष्य हासिल होना चाहिए? यह प्रवृत्ति ही हिंसा के लिए जिम्मेदार है। पिछले वर्षों में यह एहसास भी गहरा हुआ है कि शांति से अपनी बात कहो, तो सरकार नहीं सुनती है। समग्रता में सरकारों को संवेदना और समझदारी से काम लेना होगा, ताकि अमन-चैन बहाल हो।

संपादकीय पृष्ठ

आखिर क्यों पुन: प्रासंगिक हो चुके हैं स्वामी सहजानंद सरस्वती के जीवन आदर्श?

गोपाल जी राय

देश में किसान आंदोलन की सफलता-विफलता की एक लंबी फेहरिस्त है। लेकिन सरकारी सिस्टम से त्रस्त किसान-मजदूर भाइयों को उनकी वाजिब मांगों के प्रति जब-तब जनसमर्थन मिलता आया। इसके पीछे स्वामी जी द्वारा वक्त वक्त पर जनहितकारी मुद्दों के प्रति बरती गई दृढ़ता और उसे मिले देश व्यापी समर्थन से एक नई राह दिखाई है।

ऐसे में किसान-मजदूरों के असली और पहले सफल मसीहा स्वामी सहजानन्द सरस्वती जी के जीवन आदर्शों और इस वास्ते किये गए अथक परिश्रमों की याद हर किसी को उनकी पुण्यतिथि पर आ ही जाती है। ऐसा इसलिए कि उनके व्यक्तित्व और कर्तृत्व से किसान समुदाय काफी लाभान्वित हुआ था और तत्कालीन सियासी धुरी का केंद्रबिंदु समझा जा रहा था। और आज एक बार फिर वही स्थिति समुपस्थित हो चुकी है।

सवाल किसानों के सुलगते हुए प्रश्नों का तो है ही, साथ ही आर्यावर्त के उस समावेशी अस्तित्व का भी है जिसे देश-विदेश की धरती से लगातार चुनौतियां मिल रही हैं। इसलिए अन्न दाता किसानों और अमूमन सैनिक बनकर सुरक्षा करने वाले उनके नौनिहालों के ऊपर एक महती जिम्मेदारी आ पड़ी है। यदि वे किसी भी किसान-मजदूर आंदोलन को स्वामी सहजानंद सरस्वती के नक्शेकदम का अनुकरण करते हुए चलाएंगे तो नि:सन्देह भारत मजबूत होगा और उनका प्रभुत्व बढ़ेगा।

लेकिन यदि वह उनके बताए मार्गों से भटकेंगे तो जीवन संघर्ष बढ़ेगा। इससे समकालीन सत्ता की चुनौती भी बढ़ेगी, जो उनकी मांगों के समक्ष लगभग नतमस्तक हो जाती है।

कहना न होगा कि 21 वीं सदी के तीसरे दशक में भी कतिपय किसान नेता अपने क्षुद्र जातीय, साम्प्रदायिक व क्षेत्रीय सोच से आगे व्यापक राष्ट्रीय समझ को विकसित नहीं कर पा रहे हैं, जिससे किसान आंदोलन की रीति-नीति पर भी कई बार सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

जबकि, बीसवीं शताब्दी के दूसरे दशक के अंतिम वर्षों और तीसरे दशक के प्रारंभिक वर्षों में फैली महामारी प्लेग के दौरान स्वामी सहजानन्द सरस्वती ने संत के सामाजिक सरोकारों को उद्घेलित करते हुए किसान-मजदूर जैसे जनसाधारण की सेवा का और शासन को सहयोग का जो अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया था, उसकी दरकार आज हर कोई महसूस कर रहा है। खासकर मोदी-योगी-नीतीश सरकार की तिकड़ी को तो उनके जैसे जननेता के व्यवहारिक सपोर्ट की आज सख्त जरूरत है।

आज भारत भूमि पर भगवा सरकार है, भगवा संतों से यह सनातन भूमि आच्छादित है, लेकिन भारतीय किसान यूनियन के तहत गत वर्ष चले किसान आंदोलन की सफलता से उत्साहित जनमानस और तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के दृष्टिगत आसेतु हिमालय में अधिकांश संतों, उनके संगठनों व आश्रमों से वह आश्वस्ति भाव निकलनी चाहिए, जिससे निज समस्या व जनसुविधाओं की कमी से जूझ रहे लोगों को कुछ राहत मिल सके।

कहते हैं कि वर्तमान में ही इतिहास गढ़ा जाता है। लेकिन यह कैसी विडंबना है कि समकालीन वर्तमान अपने धवल अतीत को पुन: गढ़ पाने में असहाय प्रतीत होता दिखाई दे रहा है। यह कौन नहीं जानता कि अमूमन इतिहास खुद को दुहराता है, लेकिन स्वामी सहजानन्द सरस्वती का व्यक्तित्व और कृतित्व अब तक अपवाद स्वरूप है। आगे क्या होगा भविष्य के गर्त में है, पर वर्तमान को उनकी याद सताती है।

भले ही उनको गुजरे जमाने हो गए, फिर भी इतिहास खुद को दुहरा नहीं पाया! जबकि लोगबाग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं किसी समतुल्य नायक का, जो उनकी जीवनधारा बदल दे। किसानी जीवन की सूखी नदी में दखल देने वाली व्यवस्था की रेत और छाड़न को किसी अग्रगामी चिंतनधारा से ऐसे लबालब भर दे कि पूंजीवाद और साम्यवाद के तटबंध बौने पड़ जाएं, समाजवादी उमड़ती दरिया और दरियादिली देख।

आप मानें या नहीं, लेकिन भारतीय राजनीति में जब भी किसानों की चर्चा होती है तो उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार संगठित करने वाले दंडी स्वामी 'स्वामी सहजानन्द सरस्वती' की याद बरबस आ जाती है। यदि यह कहा जाए कि स्वामी जी किसानों के पहले और अंतिम अखिल भारतीय नेता थे तो गलत नहीं होगा।

दरअसल, वो पहले ऐसे किसान नेता थे जिन्होंने किसानों के सुलगते हुए सवालों को स्वर तो दिया, लेकिन उसके आधार पर कभी खुद को विधान सभा या संसद में भेजने की सियासी भीख आमलोगों से कभी नहीं मांगी। इसलिए वो अद्वितीय हैं और अग्रगण्य भी। समकालीन किसान नेताओं का जब सत्ता पक्ष या विपक्ष से संसर्ग स्थापित होता दिखाई देता है तो यही आशंका बलवती होती है कि कहीं ये लोग भी कृषक व कृषक मजदूरों के हितों से सौदेबाजी नहीं कर लें।

क्योंकि उत्तर भारत के किसान नेता चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की सफलता से कृषक समाज चाहे जितना उत्साहित हुआ हो, लेकिन बाद के वर्षों में किसानों के वाजिब मुद्दों से भारतीय किसान यूनियन का भटकाव और उसके हुए कई फाड़ के बाद भाकियू की असली धारा द्वारा देश विरोधी तत्वों को भी अपने साथ कर लिए जाने से उनकी लोकप्रियता चाहे जितनी भी बढ़ी हो, लेकिन राष्ट्रीय एकता व अखंडता के प्रति चिंतित भारतीय समाज में उनके इरादों के प्रति शक भी बढ़ा है, जो किसान आंदोलन की तात्कालिक सफलता के बावजूद एक निराशा भाव तो पैदा करता ही है।

खासकर तब जब भारतीय किसानों की दशा और दिशा को लेकर हमारी संसद और विधान मंडलें गम्भीर नहीं हैं। त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाएं भी अपने मूल उद्देश्यों से भटक चुकी हैं। ये तमाम संस्थाएं जनविरोधी पूंजीपतियों के हाथों की 'कठपुतली' मात्र बनी हुई हैं। ये बातें तो किसानों की करती हैं, लेकिन इनके अधिकतर फैसले किसान विरोधी ही होते हैं। सम्भावित किसान विद्रोह से अपनी खाल बचाने के लिए इनलोगों ने किसानों को जाति-धर्म-भाषा-क्षेत्र में इस कदर बांट रखा है कि वो अपने मूल एजेंडे से ही भटक चुके हैं। इसलिए उनकी आर्थिक बदहाली भी बढ़ी है। सच कहा जाए तो जबसे किसानों में आत्महत्या का प्रचलन बढ़ा है, तबसे स्थिति ज्यादा जटिल और विभत्स हो चुकी है। इसलिए स्वामी सहजानन्द सरस्वती की याद हर किसी को बार बार आती है। किसान आंदोलन के साधन और सुचिता के बारे में स्वामी जी हमेशा सतर्क रहते थे।

वैसे तो स्वामी जी का सियासी कद देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के समतुल्य है। लेकिन उन्हें मृत्यु के उपरांत भारत रत्न से नवाजे जाने की जरूरत नहीं समझी गई। शायद इसलिए कि किसानों की आवाज जन्म-जन्मांतर तक दबी रहे। वह जनके नाम पर भी आगे अंतस ऊर्जा नहीं प्राप्त कर सके। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत में संगठित किसान आंदोलन को खड़ा करने का जैसा श्रेय स्वामी सहजानंद सरस्वती जी को मिला, बाद में उसका हकदार कोई दूसरा नेता नहीं बन सका।

ऐसा इसलिए कि सेवा और त्याग स्वामी जी का मूलमंत्र था। राष्ट्रीयता और मानवता के प्रति वह पूरी तरह से समर्पित थे। व्यवस्था से भ्रष्टाचार हटाने के लिए वह शतप्रतिशत आमादा दिखे। अब कोई भी इस मूलमंत्र को नहीं अपना पायेगा, क्योंकि कृषक समाज की प्राथमिकता बदल गई है।

आज किसानों के एक बड़े वर्ग के लिए आरक्षण जरूरी है, लॉलीपॉप वाली योजनाएं पसंद हैं, जबकि कृषि अर्थव्यवस्था को हतोत्साहित करने वाले और किसानों का परोक्ष शोषण करने वाले कतिपय कानूनों का समग्र विरोध नहीं। यही वजह है कि खेतों को बिजली, बीज, खाद, पानी, मजदूरी और उचित समर्थन मूल्य दिए जाने के मामलों में निरन्तर लापरवाही दिखा रही सरकारों का कोई ठोस विरोध आजतक नहीं हो पाया है।

निकट भविष्य में होगा भी नहीं, क्योंकि अब नेतृत्व के बिक जाने का प्रचलन बढ़ा है! किसानों के घर अब डॉक्टर, इंजीनियर व अधिकारी आदि पैदा नहीं हो रहे। यह और भी चिंता की बात है। सच कहा जाए तो मनरेगा ने 'गंवई हरामखोरी' को ऐसा बढ़ावा दिया है कि कृषि मजदूरों का मन भी अपने पेशे से उचट चुका है जिससे शिक्षित किसानों के किसानी कार्य बहुत प्रभावित हो रहे हैं। मोदी सरकार द्वारा गत वर्षों में लाए गए तीन कृषि कानूनों के विरोध के पीछे भी कुछ यही वजह है, लेकिन विरोध का तरीका बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय वाला नहीं है।

बावजूद इसके, इन ज्वलन्त सवालों को स्वर देने वाला कोई मजबूत राष्ट्रीय नेता नहीं दिखता, बल्कि किसी अवसरवादी गठजोड़ की झलक जरूर मिलती है। भाकियू नेता राकेश टिकैत के तेवर कुछ उम्मीद जरूर बंधाते हैं, लेकिन उत्तर भारत के दायरे से आगे बढ़कर पूर्वी भारत, पश्चिमी भारत, मध्य भारत और दक्षिणी भारत के किसानों के बीच उनकी पहुंच अल्पत्य है, जिससे उनका आंदोलन सफल होकर भी परिपूर्ण नहीं समझा जा रहा है। क्योंकि उनके

मंच पर भी भारत के 5 महत्वपूर्ण भागों में से 4 भाग नदारत हैं।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि मौजूदा दौर में एक दो संगठन नहीं, बल्कि दो-तीन सौ संगठन मिलकर किसान हित की बात को आगे बढ़ा रहे हैं या फिर अपनी सियासी रोटियां किसी अन्य दल के लिए सेंक रहे हैं, यह बात किसी की भी समझ में नहीं आती। इसलिए कहा जाता है कि स्वामी जी के बाद कोई ऐसा किसान नेता पैदा नहीं हुआ जो चुनावी राजनीति से दूर रहकर सिर्फ किसानों की ही बात करे। उनके भावी हितों-जरूरतों की ही चर्चा परिचर्चा करे और उन्हें आगे बढ़ाए।

कहने को तो आज प्रत्येक राजनीतिक दल में किसान संगठन हैं लेकिन किसान हित में उनकी भूमिका अल्प या फिर नगण्य है। इस स्थिति को बदले बिना कोई राष्ट्रीय किसान नेता पैदा होना सम्भव ही नहीं है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दण्डी संन्यासी होने के बावजूद उन्होंने 'रोटी को भगवान' कहा और 'किसानों को देवता' से भी बढ़कर बताया। इससे किसानों को भी अपनी महत्ता का भी पता चला। किसानों के प्रति स्वामी जी इतने संवेदनशील थे कि तत्कालीन असह्य परिस्थितियों में उन्होंने स्पष्ट नारा दिया कि 'जो अन्न वस्त्र उपजाएगा, अब वो कानून बनाएगा। ये भारतवर्ष उसी का है, अब शासन वही चलाएगा'।

नि:सन्देह, स्वामी सहजानन्द सरस्वती ने आजादी कम और गुलामी ज्यादा देखी थी। इसलिए काले अंग्रेजों से ज्यादा गोरे अंग्रेजों के खिलाफ मुखर रहे। समझा जाता है कि किसानों से मालगुजारी वसूलने की प्रक्रिया में जब उन्होंने सरकारी मुलाजिमों का आतंक और असभ्यता देखी तो किसानों की दबी आवाज को स्वर देते हुए कहा कि 'मालगुजारी अब नहीं भरेंगे, लट्ठ हमारा जिंदाबाद'। इतिहास साक्षी है कि किसानों के बीच यह नारा काफी लोकप्रिय रहा और ब्रिटिश सल्तनत की चूलें हिलाने में अधिक काम आया।

स्वामीजी का परिचय संक्षिप्त है, लेकिन व्यक्तित्व काफी विराट। हालांकि परवर्ती जातिवादी किसान नेताओं और उनके दलों ने उनके व्यक्तित्व को वह मान-सम्मान नहीं दिया, जिसके वे असली हकदार हैं। यही वजह है कि किसान आंदोलन हमेशा लीक से भटक गया। समाजवादी और वामपंथी नेता इतने निखट्टू निकले की, उनलोगों ने किसान आंदोलन का गला ही घोंट दिया। उनके बाद चौधरी चरण सिंह और महेंद्र टिकैत किसान नेता तो हुए, लेकिन किसी को अखिल भारतीय पहचान नहीं मिली, क्योंकि इनकी राष्ट्रीय पकड़ कभी विकसित ही नहीं हो पाई। दोनों पश्चिमी उत्तरप्रदेश में ही सिमट कर रह गए। भाकियू नेता राकेश टिकैत की स्थिति उनसे भी कमतर है, क्योंकि देश विरोधी ताकतों की भाषा बोलने-बोलवाने के आरोप उनपर लगे हुए हैं। किसान हित में एक उल्लेखनीय उपलब्धि उनके खाते में है, लेकिन अन्य उपलब्धियों को हासिल करने वाली बेचैनी उनमें दिखाई नहीं दे रही है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती है नशीली दवाएं : अमित शाह

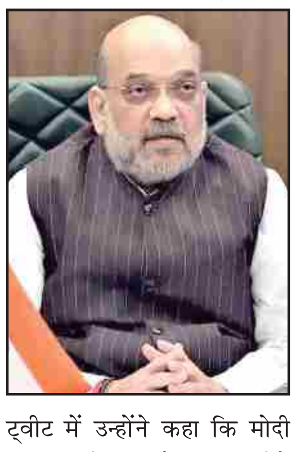

नई दिल्ली, 26 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नशीली दवाओं को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बताते हुए कहा है कि इसके समूल नाश के लिए जन भागीदारी बेहद जरूरी है। शाह ने रविवार को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ हर वर्ष 26 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय दिवस के मौके पर सिलसिलेवार ट्वीट में यह बात कही। उन्होंने कहा कि ड्रग्स की समस्या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती है।

मोदी जी के नेतृत्व में गृह मंत्रालय ने इस लड़ाई को समन्वयित और संस्थागत बनाया है। लेकिन इसके समूल नाश के लिए जनभागीदारी आवश्यक है, आइए हम सब मिलकर मोदी जी के ड्रग्स मुक्त भारत के संकल्प को पूरा करने में अपना योगदान दें। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की ड्रग्स के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति रही है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग व अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर मैं भारत को ड्रग्स मुक्त भारत के संकल्प को पूरा करने में लगे राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के कर्मियों, गैर सरकारी संगठनों व इससे जुड़े वालंटियर्स को उनके प्रयासों के लिए बधाई देता हूं।

भारत को आंदोलनजीवियों की नहीं, अग्निवीरों की जरूरत

स्वपन दास गुप्ता

अग्निपथ स्कीम का ऐलान होते ही इसके विरोध में प्रदर्शन शुरू हो गए। उपद्रवियों ने रेलवे की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया। तमाम ट्रेनें कैंसिल हुईं। सामान्य जनजीवन पर इसका असर पड़ा। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है। इन सबके पीछे कौन था? ये प्रदर्शन अचानक शुरू हुए। ऐसा तब हुआ जब नरेंद्र मोदी सरकार ने साफ कर दिया कि वह अग्निपथ स्कीम को वापस नहीं लेगी। जिस तरह से देशभर में प्रदर्शन की आग फैली उससे एक बात साफ थी। इसमें उन लोगों का हाथ था जिन्हें युवाओं की कोई परवाह नहीं है। उनका इस साल 46 हजार अग्निवीरों की भर्ती से कोई लेनादेना नहीं है। इनकी भर्ती चार साल के लिए होनी है।

नागरिकता कानून, कृषि कानून हों या टीवी पर नूपुर शर्मा के खिलाफ गुस्सा और अब अग्निवीर, ये सभी प्रकरण एक ओर इशारा करते हैं। भारत में किराये की भीड़ जुटा लेने वाला एक तबका है। भाड़े की यह भीड़ उनका मकसद पूरा करती है जो लोगों के असंतोष से फायदा उठाना चाहते हैं। मोदी ऐसे असंतोषियों के लिए आंदोलनजीवी शब्द का इस्तेमाल कर चुके हैं। यह उनके लिए फिट भी है जो आए दिन सड़कों पर उतर आते हैं।

सरकार ने कोई गलत कदम नहीं उठाया, यह कहना भी सही नहीं है। कोई भी बड़ा सुधार लाने के लिए सूचनाओं के अंबार की जरूरत पड़ती है। इसी के बूते लोगों को राजी किया जाता है कि बदलाव जरूरी है और यह पहले की व्यवस्था के मुकाबले बेहतर है। दुर्भाग्य से अग्निपथ स्कीम के मामले में शुरुआती घोषणाओं में स्पष्टता की कमी थी। हालांकि, बाद में इस कमी की भरपाई कर दी गई।

अग्निवीर स्कीम मामले ने भी कृषि कानूनों और सीएए के विरोध में हुए प्रदर्शनों की तरह सुलगना शुरू किया था। सीएए के विरोध में हुए प्रदर्शनों के पीछे यह गलत सूचना थी कि कुछ मुस्लिमों को देश की नागरिकता से हाथ धोना पड़ सकता है। कृषि कानूनों के विरोध में भी आशंका की यह डोर बनी रही कि गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य को हटा दिया जाएगा। इसके बाद अग्निपथ स्कीम में जानबूझकर वेतन और भविष्य का खौफ पैदा किया गया। वास्तविकता पर पर्दा पड़ते ही विरोध के सुर तेज हो गए। हमेशा की तरह मोदी को इसके लिए निशाना बनाया गया।

अग्निपथ को लेकर खड़े हुए विवाद की जड़ में अलग-अलग तरह की धारणाएं थीं। ये सशस्त्र बलों की स्थिति को लेकर थीं। पारंपरिक नजरिया रहा है कि सेना, नौसेना और वायु सेना को समाज की गंदगी से अछूता रखा जाए। उसका सिर्फ एक ही काम हो - बाहरी खतरों से देश की सुरक्षा। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह समाज की तमाम चीजों से अलग रहे। उसके प्रोफेशनलिज्म की परिभाषा राजनीतिक रूप से अलग-थलग रहने के इर्द-गिर्द गढ़ी गई। ये बातें उसे पाकिस्तान, म्यांमार और बांग्लादेश की फौजों से अलग करती हैं।

यह मॉडल भारत के लिए अच्छा साबित हुआ है। सशस्त्र बलों को बेहद सम्मान के साथ देखा जाता है। जहां तमाम दूसरी संस्थाओं पर कीचड़ उछला, सेना उसमें बेदाग रही। हालांकि, यह भी एक सच है कि भारत इस सिस्टम को एफोर्ड नहीं कर सकता है। खासतौर से तब तक जब तक सैनिकों, अधिकारियों और पूर्व सैनिकों के कल्याण के बजाय आधुनिकीकरण को तवज्जो न दी जाए। सुधार हमेशा बाहरी दबाव के कारण होते हैं। जैसा कि 1991 में हुआ। अग्निपथ स्कीम को लेकर जो भड़काने वाला बारूद था वो मुख्य रूप से वित्तीय पहलू है। यह और बात है कि इस बदलाव का असर दूरगामी होगा।

अग्निपथ का सबसे महत्वपूर्ण असर यह है कि कुछ सालों में एक बार हर साल 1.25 लाख अग्निवीरों का रिक्रूटमेंट शुरू होने पर फोर्स सिटीजन आर्मी की दिशा में छोटा सा कदम बढ़ा देगी। निश्चित ही प्रक्रिया पारदर्शी रहेगी। कारण है कि सभी के लिए इसे जरूरी नहीं किया जाएगा। अलबत्ता ये पूरी तरह मर्जी पर निर्भर करेगा। सिर्फ 25 फीसदी अग्निवीरों को चार साल बाद नियमित किया जाएगा। लेकिन, इसमें किसी गड़बड़ी की आशंका को दूर रखने के लिए सेना को बहुत चौकन्ना रहना होगा।

अगर सफलतापूर्वक यह स्कीम परवान चढ़ी तो नागरिकों के बीच में युवाओं की रिजर्व सेना रहेगी। इसका राष्ट्रीय सुरक्षा में पूरक के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। ये आम नागरिकों में रहकर संजीवनी देने का काम कर सकते हैं। फ्रांस ने ऐसा ही प्रयोगकर किसानों को फ्रेंचमैन में बदलने में सफलता हासिल की। अग्निपथ में भी वही बदलाव करने की क्षमता है। हालांकि, इसके असली प्रभाव के बारे में कोई भविष्यवाणी करना सही नहीं होगा। काफी कुछ सामाजिक और राजनीतिक माहौल पर निर्भर करेगा। हालांकि, यह आशंका बिल्कुल बेबुनियाद है कि इससे समाज का सैन्यीकरण हो जाएगा। यह अपेक्षा जरूर की जा सकती है कि युवा ज्यादा राष्ट्रभक्त हो जाएंगे। अग्निपथ स्कीम कोई साधारण सुधार नहीं है। यह भविष्य में भारत की पुरी मानसिकता को बदलने वाला साबित हो सकता है। यही कारण है कि कुछ लोग इस स्कीम को लेकर डरे हुए हैं।

जगन्नाथ रथयात्रा के पहले प्रभु जगन्नाथ को 108 कलशों से शाही स्नान कराया जाता है। फिर 15 दिन तक प्रभु जी को एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। जिसे ओसर घर कहते हैं। आखिर उन्होंने क्यों एकांत में 15 दिन के लिए रखा जाता है और उसके बाद ही रथयात्रा प्रारंभ होती है? जानते हैं इस रहस्य को।

आखिर क्यों रथयात्रा से पहले 15 दिन तक एकांतवास में रहते हैं भगवान जगन्नाथ?

कथा के अनुसार प्रभु जगन्नाथ के कई भक्तों में से एक थे माधवदास। बचपन में ही उनके माता पिता शांत हो गए थे तो बड़े भाई के आग्रह पर उन्होंने विवाह कर लिया और अंत में भाई भी उन्हें छोड़कर संन्यासी बन गए तो उन्हें बहुत बुरा लगा। फिर एक दिन पत्नी का अचानक देहांत हो गया तो वे फिर से अकेले रह गए। पत्नी के ही कहने पर वे बाद में जगन्नाथ पुरी में जाकर प्रभु की भक्ति करने लगे।

माधवदास के संबंध में बहुत सारी कहानियां प्रचलित है उन्हीं में से एक कहानी है प्रभु जगन्नाथ के 15 दिन तक बीमार पड़ने की कहानी। प्रभु जगन्नाथ रथयात्रा के 15 दिन पहले बीमार पड़ जाते हैं और 15 दिन तक बीमार रहते हैं।

माधवदासजी जगन्नाथ पुरी में अकेले ही रहते थे। वे अकेले ही बैठे बैठे भजन किया करते थे और अपना सारा काम खुद ही करते थे। प्रभु जगन्नाथ ने उन्हें कई बार दर्शन दिए थे। वे नित्य प्रतिदिन श्री जगन्नाथ प्रभु का दर्शन करते थे और उन्हीं को अपना मित्र मानते थे। एक बार माधवदास जी को अतिसार (उलटी-दस्त) का रोग हो गया। वह इतने दुर्बल हो गए कि चलना-फिरना भी मुश्किल हो गया। फिर भी अपना सारा काम खुद किया करते थे।

उनके परिचितों ने कहा कि महाराज हम आपकी सेवा करें तो माधवदासजी ने कहा कि नहीं, मेरा ध्यान रखने वाले तो प्रभु श्रीजगन्नाथजी है। वे कर लेंगे मेरी देखभाल, वही मेरी रक्षा करेंगे।

फिर धीरे धीरे उनकी तबीयत और बिगड़ गई और वे उठने-बैठने में भी असमर्थ हो गए तब भगवान श्रीजगन्नाथ जी स्वयं सेवक बनकर इनके घर पहुंचे और माधवदासजी से कहा कि हम आपकी सेवा करें। उस वक्त माधवदासजी की बेसुध से ही थे। उनका इतना रोग बढ़ गया था की उन्हें पता भी नहीं चलता था कि कब मल-मूत्र त्याग देते थे और वस्त्र गंदे हो जाते थे।

भगवान जगन्नाथ ने उनकी 15 दिन तक खूब सेवा की। उनके गंदे कपड़ों को भी धोया और उन्हें नहलाया भी। जब माधवदास जी को होश आया, तब उन्होंने तुरंत पहचान लिया कि यह तो मेरे प्रभु ही हैं। यह देखकर माधवदासजी ने पूछा, प्रभु आप तो त्रिलोक के स्वामी हैं, आप मेरी सेवा कर रहे हैं। आप चाहते तो मेरा रोग क्षण में ही दूर कर सकते थे। परंतु आपने ऐसा न करके मेरी सेवा क्यों की?

प्रभु श्री जगन्नाथ जी ने कहा- देखो माधव! मुझसे भक्तों का कष्ट नहीं सहा जाता। इसी कारण तुम्हारी सेवा मैंने स्वयं की है। दूसरी बात यह कि जिसका जैसा प्रारब्द्ध होता है उसे तो वह भोगना ही पड़ता है। मैं नहीं चाहता था कि तुम्हें प्रारब्ध का भोगना न पड़े और फिर से जन्म लेना पड़े। अगर उसको भोगेगे-काटोगे नहीं तो इस जन्म में नहीं तो उसको भोगने के लिए फिर तुम्हें अगला जन्म लेना पड़ेगा। इसीलिए मैंने तुम्हारी सेवा की। परंतु तुम फिर भी कह रहे हो तो अभी तुम्हारे हिस्से के 15 दिन का प्रारब्ध का रोग और बचा है तो अब 15 दिन का रोग मैं ले लेता हूं और अब तुम मुक्त हो। इसके बाद प्रभु जगन्नाथ खुद 15 दिन के लिए बीमार पड़ गए।

इस घटना की स्मृति में तभी से रथयात्रा के पूर्व प्रभु जगन्नाथ बीमार पड़ जाते हैं। तब 15 दिन तक प्रभु जी को एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। जिसे ओसर घर कहते हैं। इस 15 दिनों की अवधि में महाप्रभु को मंदिर के प्रमुख सेवकों और वैद्यों के अलावा कोई और नहीं देख सकता। इस दौरान मंदिर में महाप्रभु के प्रतिनिधि अलारनाथ जी की प्रतिमा स्थपित की जाती हैं तथा उनकी पूजा अर्चना की जाती है। 15 दिन बाद भगवान स्वस्थ होकर कक्ष से बाहर निकलते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं। जिसे नव यौवन नैत्र उत्सव भी कहते हैं। इसके बाद द्वितीया के दिन महाप्रभु श्री कृष्ण और बडे भाई बलराम जी तथा बहन सुभद्रा जी के साथ बाहर राजमार्ग पर आते हैं और रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकलते हैं।

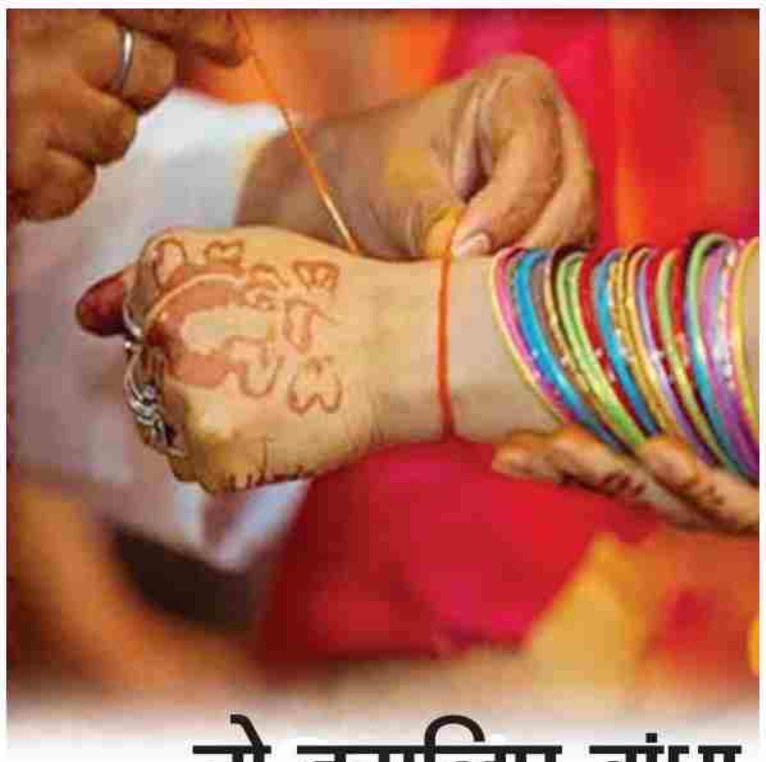

...तो इसलिए बांधा जाता है कलावा

हिंदू धर्म में किसी भी पूजा-पाठ या फिर यज्ञ, हवन आदि से समय पंडित (पुरोहित) यजमान की दायीं कलाई में कलावा बांधते हैं। कलावा को मौली और रक्षासूत्र के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन क्या कभी आपने ये सोचा है कि इसके पीछे क्या कारण है। अगर आपको लगता है कि इसके पीछे सिर्फ धार्मिक कारण है तो ऐसा नहीं है। जी हां, धार्मिक ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक कारणों से भी मौली बांधी जाती है।

देवी लक्ष्मी ने की कलावा बांधने की शुरुआत

शास्त्रों में ये कहा गया है कि कलावा या मौली बांधने का प्रारंभ माता लक्ष्मी और राजा बलि ने की थी। माना जाता है हाथ पर मौली बांझने से जीवन में आने वाले संकट से रक्षा होती है। कलावा को हमेशा बांधते समय एक मंत्र को बोला जाता है-

येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल:, तेन त्वाम प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल:।

कलावा धारण करने होती है इनकी कृपा

शास्त्रों में कहा गया है कि कलावा बांधने से त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती तीनों देवियों की अनुकूलता का भी फायदा मिलता है। जानें कलावा धारण करने को लेकर क्या कहता है विज्ञान विज्ञान के मुताबिक, शरीर के ज्यादातर अंगों तक जाने वाली नसें कलाई से होकर गुजरती हैं। वहीं जब कलाई पर मौली या कलावा बांधा जाता है तो इससे नसों की क्रिया नियंत्रित रहती हैं। इससे वात, पित्त और कफ की समानता बनी रहती है। माना ये भी जाता है कि कलावा बांधने से हृदय संबंधी रोग, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और पैरालिसिस जैसे रोगों से काफी सुरक्षा होती है।

इन स्थानों पर मौली बांधने से मिलता है लाभ

मौली को शादी शुदा महिलाओं के बाएं हाथ और पुरुषों एवं अविवाहित कन्याओं के दाएं हाथ में बांधने का विधान है। चाबी के छल्ले, बही-खाता और तिजोरी जैसी जगहों पर पवित्र मौली बांधने से फायदा होता है, ऐसी मान्यताएं कहती हैं।

आर्थिक समस्याओं में कलावा

मान्यता है कि कलावे में देवी या देवता अदृश्य रूप में विराजमान रहते हैं। इसका निर्माण कच्चे सूत से तैयार होता है और यह कई रंगों जैसे पीला, सफेद, लाल या फिर नारंगी रंग से मिलकर बनता है। ऐसा माना जाता है कलाई पर इसे बांधने से आर्थिक समस्या भी दूर होती है।

वैजयंती की माला से करें विष्णु की उपासना

वैजयंती के वृक्ष पर बहुत ही सुंदर फूल उगते हैं। इसके फूल बहुत ही सुगंधित और सुंदर होते हैं। इसके बीजों की माला बनाई जाती है। वैजयंती के फूल भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी को बहुत ही प्रिय है। आओ जानते हैं इसके 6 लाभ।

- वैजयंती फूलों का बहुत ही सौभाग्यशाली वृक्ष होता है। इसकी माला पहनने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। इस माला को किसी भी सोमवार अथवा शुक्रवार को गंगाजल या शुद्ध ताजे जल से धोकर धारण करना चाहिए।
- वैजयंती के बीजों की माला से भगवान विष्णु या सूर्यदेव की उपासना करने से ग्रह नक्षत्रों का प्रभाव खत्म हो जाता है। खासकर शनि का दोष समाप्त हो जाता है। इस माला को धारण करने से देवी लक्ष्मी भी प्रसन्न होती है।
- इसको धारण करने या प्रतिदिन इस माला से अपने ईष्ट का जप करने से नई शक्ति का संचार तथा आत्म-विश्वास में वृद्धि होती है।
- इस माला को धारण करने से मान सम्मान में वृद्धि होती है। मानसिक शांति प्राप्त होती है जिससे व्यक्ति अपने कार्य क्षेत्र में मन लगाकर कार्य करता है।
- मान्यता है कि पुष्य नक्षत्र में वैजयंती के बीजों की माला धारण करना बहुत ही शुभ फलदायक है। यह सभी तरह की मनोकामना पूर्ण करता है।
- वैजयंती माला से 'ऊं नम: भगवते वासुदेवाय' का मन्त्र नित्य जापने से विवाह में आ रही हर प्रकार की बाधा दूर हो जाती है। जप के बाद केले के पेड़ की पूजा करना चाहिए।

वैजयंती माला का महत्व : एक कथा के अनुसार इन्द्र ने अंहकारवश वैजयंतीमाला का अपमान किया था, परिणामस्वरूप महालक्ष्मी उनसे रुष्ट हो गईं और उन्हें दर-दर भटकना पड़ा था। देवराज इन्द्र अपने हाथी ऐरावत पर भ्रमण कर रहे थे। मार्ग में उनकी भेंट महर्षि दुर्वासा से हुई। उन्होंने इन्द्र को अपने गले से पुष्पमाला उतारकर भेंटस्वरूप दे दी। इन्द्र ने अभिमानवश उस पुष्पमाला को ऐरावत के गले में डाल दिया और ऐरावत ने उसे गले से उतारकर अपने पैरों तले रौंद डाला। अपने द्वारा दी हुई भेंट का अपमान देखकर महर्षि दुर्वासा को बहुत क्रोध आया। उन्होंने इन्द्र को लक्ष्मीहीन होने का श्राप दे दिया।

सियार, हंस, कौआ और हाथी सहित भगवान शनि के 9 वाहन बनाते हैं आपका भाग्य

हिन्दू धर्म में शनि एक देवता और नवग्रहों में एक प्रमुख ग्रह माने गए हैं। वे सूर्यदेव और छाया (संवर्णा) के पुत्र हैं। शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। इस संबंध में मान्यता यह भी है कि शनि के प्रकोप से धनवान भी दरिद्र बन जाता है। कई लोग इन्हें कठोर मानते हैं, परंतु ऐसा सही नहीं है क्योंकि शनिदेव का न्याय निष्पक्ष होता है।

ज्योतिष शास्त्र में भी शनिदेव को बहुत अधिक महत्व प्राप्त हुआ है। शनिदेव के 9 वाहन माने जाते हैं और वे अलग-अलग वाहनों पर सवारी करते हुए उनके स्वरूप के अनुसार अलग-अलग प्रभाव भी देते हैं। अत: ऐसे समय में कुंडली में शनिदेव की स्थिति को देखते हुए उनके प्रकोप से बचने के लिए उनके अलग-अलग स्वरूपों की आराधना करनी चाहिए।

- **सियार**- यदि शनिदेव का वाहन सियार हो तो अशुभ सूचनाएं मिलने की संभावनाएं ज्यादा बढ़ जाती है, अत: ऐसी स्थिति निर्मित हो तो हिम्मत से काम लेना चाहिए। इस दौरान शुभ फल नहीं मिलता है।
- **हंस**- यदि भगवान शनि का वाहन हंस है तो यह ही बहुत शुभ होता है, क्योंकि इसे शनिदेव के सभी वाहनों में सबसे अच्छा वाहन कहा गया है। इस अवधि में आप अपनी बुद्धि औए मेहनत के बल पर अपने भाग्य का पूरा सहयोग ले सकते हैं तथा इस दौरान आर्थिक स्थिति में काफी सुधार भी देखने को मिलता है।
- **कौआ**- शनिदेव का वाहन कौआ यदि हैं तो हमें यह समय शांति और संयम से निकालना चाहिए, क्योंकि यदि शनि की सवारी कौआ हैं तो इस अवधि में घर-परिवार में कलह बढ़ने, ऑफिस में टकराव की स्थिति निर्मित होती है या यह किसी मुद्दे को लेकर कलह का संकेत भी माना जाता है, अत: इस समय किसी भी मसले को आसान बातचीत के जरिये हल करना अच्छा रहता है।
- **हाथी**- शनि का वाहन यदि हाथी हो तो इसे शुभ नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि यह आशा के विपरीत फल मिलने का समय होता है, अत: इस स्थिति में साहस और हिम्मत से काम लेना ही उचित रहता है।
- **मोर**- यदि शनिदेव का वाहन मोर हैं, यह शुभ फल देने वाला होता है। इस समय में मेहनत और भाग्य दोनों का अच्छा साथ मिलता है। इतना ही नहीं इस समयावधि के दौरान बड़ी-बड़ी परेशानी का हल समझदारी से पाया जा सकता है।
- **गधा**- जब शनिदेव का वाहन गधा होता है तो इसे शुभ नहीं माना जाता है और यह शुभ फलों में कमी देता है, अत: इस दौरान अधिक प्रयास के द्वारा ही कार्यों में सफलता प्राप्त की जा सकती है।
- **घोड़ा**- यदि शनिदेव का वाहन घोड़ा हैं, तो हमें शुभ फल मिलते हैं, क्योंकि घोड़ा शक्ति का प्रतीक माना जाता है। और इस समय व्यक्ति उर्जा और जोश से भरा होने के कारण इस दौरान समझदारी और संयम से हम शत्रुओं पर सरलता से विजय पा सकते हैं तथा कार्यक्षेत्र में सफलता मिल सकती हैं।
- **सिंह**- शनिदेव का वाहन सिंह हैं तो घोड़े की तरह ही सिंह भी शुभ फल देने वाला माना जाता है। अगर शत्रु परेशान कर रहा है तो इस समय में समझदारी और चतुराई के द्वार हम उसे परास्त कर सकते हैं।
- **भैंसा**- यदि भैंसा शनिदेव का वाहन हो तो इस समयावधि में मिलाजुला फल मिलता है। कहने का मतलब यह हैं कि इस दौरान समझदारी, होशियारी से किया गया कार्य ज्यादा बेहतर साबित होता है। यदि सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी यानी सावधानी से काम नहीं किया तो बुरे फल मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

ना सोना और ना ही शेयर बाजार, भारतीय सबसे ज्यादा इस चीज में लगाते हैं पैसा

नई दिल्ली। दुनियाभर मे मंदी का दौर जारी है। भारत हो या अमेरिका हर जगह महंगाई बढ़ती जा रही है और शेयर बाजार में स्टॉक्स के दाम फिसलते जा रहे हैं। भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुका है। जिनके पास पूंजी है वे चिंता में हैं कि अपने पैसों को कहां निवेश करें, क्योंकि शेयर बाजार इन दिनों मंदी के दौर से गुजर रहा है। इन मुश्किल हालातों में अक्सर लोग सोना को निवेश के लिए सबसे भरोसेमंद मानते हैं, पर अभी सोने पर भी मंदी छायी हुई है। अगर भारतीयों की बात करें तो सोना यहां हमेशा से ही लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा है, पर निवेश के मामले में यह भी तीसरे नंबर पर है। बात का खुलासा इनवेंस्टमेंट बैंकर जेफरीज की एक रिपोर्ट में हुआ है। इस रिपोर्ट की मानें तो कुछ भारतीय बैंक

सावधि जमा (एफडी) और अन्य जमा योजनाओं में निवेश को भी बेहतर बेहतर मानते हैं पर जिस पर भारतीय सबसे ज्यादा पैसा लगाते हैं उनमें यह भी पहले नंबर पर नहीं है। जेफरीज की रिपोर्ट के अनुसार भारतीयों का पसंदीदा निवेश विकल्प रियल एस्टेट है। मार्च 2022 में भारत के लोगों ने अपनी घरेलू बचत का लगभग आधा हिस्सा रियल एस्टेट संपत्तियों में निवेश किया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक बैंक जमा इस मामले में दूसरे नंबर पर है जबकि सोना भारतीय परिवारों के बीच निवेश का तीसरा पसंदीदा विकल्प है।

49.4 प्रतिशत भारतीय परिवारों ने अचल संपत्ति में लगाया पैसा

जेफरीज की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2022 में भारतीय परिवारों की 10.7 लाख डॉलर की संपत्ति में से तकरीबन 49.4 प्रतिशत अचल संपत्ति संपत्तियों में निवेश किया गया है। वहीं, भारत परिवारों ने अपनी बचत का महज 15 प्रतिशत ही सोने में निवेश किया है। जेफरीज की इस रिपोर्ट में कोरोना संकट का प्रभाव भी साफ तौर पर दिख रहा है। भारतीय परिवारों ने अपनी बचत का लगभग 6.20 प्रतिशत बीमा पर भी खर्च किया है। यह भारतीयों के लिए निवेश के सबसे पसंदीदा विकल्प के मामले में चौथे नंबर पर आता है।

निवेश के मामले में शेयर बाजार छठे नंबर पर -जेफरीज की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में निवेश करने के मामले में भविष्य निधि और पेंशन 5 वें नंबर पर आता है। मार्च 2022 में भारतीय परिवारों की 10.70 ट्रिलियन डॉलर की बचत का 5.70 प्रतिशत भविष्य निधि और पेंशन पर खर्च किया गया है। इसके बाद नंबर आता है शेयर बाजार का। निवेश के मामले में स्टॉक मार्केट छठे नंबर पर है। भारतीय इक्विटी बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशकों एफआईआई की भारी बिकवाली के बावजूद घरेलु संस्थागत निवेशकों डीआईआई का बाजार पर भरोसा बना हुआ है। घरेलू निवेशक अक्टूबर 2021 के बाद स्टॉक मार्केट में नेट बायर यानी शुद्ध खरीदार बने हुए हैं। मार्च 2022 में कुल भारतीय परिवारों की बचत का लगभग 4.80 प्रतिशत शेयर बाजार में निवेश किया गया है।

मुद्रास्फीति बढ़ने से दुनियाभर में अधिक वेतन, मदद की मांग को लेकर प्रदर्शन बढ़े

नई दिल्ली। वाशिंगटन7 खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के बीच वेतन नहीं बढ़ने से लोगों की जेबों पर भार बहुत बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर में इसकी वजह से व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन और हड़तालें हो रही हैं।इस हफ्ते पाकिस्तान में विपक्षी दलों, जिम्बॉब्वे में नर्सों, बेल्जियम में कामगारों, ब्रिटेन में रेलवे कर्मचारियों, इक्काडोर में स्थानीय लोगों, अमेरिका में पायलटों और कुछ यूरोपीय एयरलाइंस के कर्मचारियों ने भी बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर प्रदर्शन किए। कई हफ्तों से जारी राजनीतिक अस्थिरता के बाद बुधवार को श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने आखिरकार देश के आर्थिक रूप से धराशायी हो जाने की घोषणा कर दी। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि यूक्रेन में रूस के युद्ध छेड़ने की वजह से ऊर्जा की लागत बढ़ गई है, उर्वरकों, अनाज और खाद्य तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। बढ़ती कीमतों के साथ अमीरों और गरीबों के बीच की खाई,

असमानता और बढ़ने का खतरा है। गरीबीनिरोध संगठन ऑक्सफेम में असमानता नीति के प्रमुख मैट ग्रेनगर ने कहा, ''अमीरों को तो यह भी नहीं पता होता कि एक पैकेट ब्रेड का दाम कितना होता है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस ने दुनियाभर में असमानता और बढ़ा दी है। अभी तो और अधिक प्रदर्शन देखने को मिलेंगे।'' दक्षिण कोरिया में ट्रक चालकों की आठ दिन से जारी हड़ताल पिछले हफ्ते खत्म हुई। ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच वे न्यूनतम वेतन गारंटी की मांग कर रहे थे। कुछ महीने पहले स्पैन में भी ट्रक कर्मी हड़ताल पर चले गए थे। अप्रैल में पेरू में ईंधन और खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के हिंसक होने के बाद सरकार को कर्फ्यू लगाना पड़ा था।

फ्लिपकार्ट तेलंगाना के किसानों, स्वयं-सहायता समूहों को देगी बाजार पहुंच

हैदराबाद। दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने तेलंगाना के कृषि उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और स्वयं-सहायता समूहों (एसएचजी) को बाजार पहुंच देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।फ्लिपकार्ट ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि तेलंगाना की सोसाइटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ रुरल पॉवर्टी (एसईआरपी) के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य के प्रमुख सचिव (पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास) संदीप कुमार सुल्तानिया और कंपनी की उपाध्यक्ष एवं किराना प्रमुख स्मृति रविचंद्रन के बीच इस एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। इस साझेदारी के जरिये फ्लिपकार्ट तेलंगाना के स्थानीय कृषक समुदायों और स्वयं-सहायता समूहों को अपने प्लेटफॉर्म पर मौजूद 40 करोड़ से अधिक ग्राहकों तक अखिल भारतीय बाजार पहुंच प्रदान करेगी। इस सहयोग के तहत फ्लिपकार्ट स्थानीय किसानों से सीधे उच्च गुणवत्ता वाली दालें, बाजरा, अनाज और मसाले खरीदेगी।

जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की समय सीमा मार्च 2026 तक बढ़ाई गई

नई दिल्ली। सरकार ने जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर लगाने की समयसीमा करीब चार साल के लिए बढ़ाकर 31 मार्च 2026 तक कर दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचित माल एवं सेवा कर (उपकर की अवधि और संग्रह की अवधि) नियम, 2022 के अनुसार एक जुलाई 2022 से 31 मार्च 2026 तक क्षतिपूर्ति उपकर का आरोपण जारी रहेगा। उपकर लगाने की समयसीमा 30 जून को ही समाप्त होने वाली थी लेकिन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद ने इसकी समयसीमा को मार्च 2026 तक विस्तार देने का फैसला किया। बीते दो वित्त वर्षों में लिए गए कर्जों के पुनर्भुगतान के लिए इस समयसीमा को बढ़ाने का फैसला किया गया है।

बदहाली से जूझ रहे श्रीलंका ने उठाया बड़ा कदम, किसी व्यक्ति के 10 हजार डॉलर से अधिक विदेशी मुद्रा रखने पर लगाई पाबंदी

काबुल। विदेशी मुद्रा संकट से जूझ रही श्रीलंका सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने किसी व्यक्ति के अपने पास विदेशी मुद्रा रखने की अधिकतम सीमा को घटना दिया है। अब श्रीलंका में इंडिविजुअल्स अपने पास 10 हजार अमेरिकी डॉलर ही रख सकते हैं। पहले इंडिविजुअल्स के लिए विदेशी मुद्रा रखने की अधिकतम सीमा 15 हजार अमेरिकी डॉलर थी।

आपको बता दें कि भारत का पड़ोसी श्रीलंका अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश को संकट से बाहर निकालने के लिए देश की कमान पूर्व प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे को सौंपी गयी है। फिलहाल नई सरकार के पास ईंधन भुगतान के लिए भी पैसा नहीं हैं। ऐसे में सरकार ने अपने पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार सुनिश्चित करने ताकि जरूरी खाद्य

सामग्री और ईंधन की किल्लत नहीं हो, इसे देखते हुए यह फैसला लिया है।

आपको बता दें कि विदेशी मुद्रा भंडार की कमी के कारण श्रीलंका इस साल अप्रैल में अपने अंतरराष्ट्रीय ऋण चुकाने के मामले में डिफॉल्टर घोषित हो गया था। हाल के दशकों में इस तरह से डिफॉल्टर घोषित होने वाला श्रीलंका एशिया का पहला देश है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे जो फिलहाल वित्तमंत्री के प्रभार में भी हैं ने फॉरेन एक्सचेंज एक्ट के तहत अधिकतम विदेशी मुद्रा भंडार रखने की सीमा तय करने से जुड़ा आदेश जारी किया है। सरकार की ओर से यह आदेश श्रीलंका के सेंट्रल बैंक के गवर्नर नंदलाल वीरसिंघे के उस बयान के तकरीबन एक महीने से अधिक समय के बाद आया है जिसमें उन्होंने इंडिविजुअल्स के लिए विदेशी मुद्रा रखने की अधिकतम सीमा 15,000 अमेरिकी डॉलर से घटाकर 10,000 डॉलर करने करने की बात कही थी।

आपको बता दें कि श्रीलंका में गंभीर आर्थिक संकट के बीच आम लोगों को रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल उपलब्ध करवाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार से उसके निर्यात के लिए भारत के क्रेडिट लाइन का उपयोग किया था। अपना क्रेडिट लाइन इस्तेमाल करने देने के लिए श्रीलंका सरकार की ओर से भारत का आभार भी जताया गया है।

टाटा पावर सोलर ने भारत की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सौर परियोजना का परिचालन शुरू किया

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी टाटा पावर सोलर सिस्टम्स ने कहा कि जल क्षेत्र में बनाई गई भारत की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना का परिचालन शुरू किया गया है। केरल के कायमकुलम में स्थित इस परियोजना की क्षमता 101.6 मेगावॉट है।कंपनी ने एक बयान में बताया कि यह परियोजना कायमकुलम में 350 एकड़ के जलक्षेत्र में

स्थापित की गई है। उसने कहा कि तरह-तरह की चुनौतियों के बावजूद यह परियोजना निर्धारित समय में पूरी हुई। यह कंपनी टाटा पावर की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है। टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा, ''भारत की पहली और सबसे बड़ी फ्लोटिंग सौर परियोजना को शुरू करना भारत के टिकाऊ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक नवोन्मेषी और इस दिशा में बढ़ावा देने वाला कदम है।'' बयान के मुताबिक, इस संयंत्र से पैदा होने वाली सारी ऊर्जा का उपयोग केरल राज्य बिजली बोर्ड करेगा और इस बाबत एक ऊर्जा खरीद समझौता किया गया है।

अमेरिका से गर्भपात करवाने बाहर जाने वालों का खर्चा उठाएंगी कंपनियां, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद की पहल

वाशिंगटन। अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद गर्भपात के गैरकानूनी घोषित होने के बाद वहां के उद्योग जगत में इस पर चर्चा शुरू हो गई थी। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को चिंता सताने लगी थी कि गर्भपात के बैन होने से वहां का एक बड़ा मानवबल प्रभावित होगा। अब इसके समाधान के लिए वहां की कई दिग्गज कंपनियां आगे आई हैं। देश की कई बड़ी कंपनियों ने अपने महिला कर्मचारियों को आश्वश्त किया है कि अगर वे गर्भपात के लिए अमेरिका के बाहर कहीं और जाती हैं तो इसका खर्चा कंपनी उठाएगी।

आपको बता दें कि शुक्रवार को अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने रू बनाम वेड मामले में दिया गया फैसला पलट दिया है। कोर्ट के

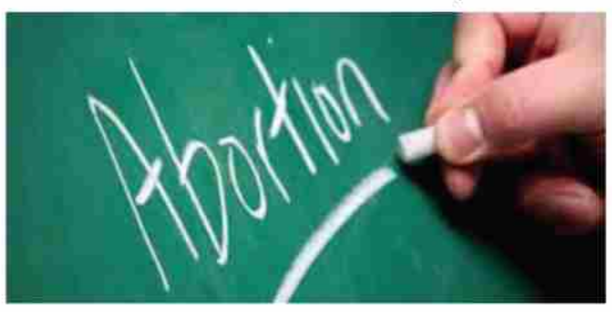

इस फैसले के बाद से अमेरिका के कम से कम 13 राज्यों में गर्भपात करवाना गैरकानूनी हो गया है। उसके बाद कंपनियों ने यह फैसला लिया है कि अगर उनके कर्मचारी गर्भपात के लिए ऐसी जगहों पर जाते हैं जहां गर्भपात वैध है तो उन्हें आर्थिक सहायता दी जाएगी।

गौरतलब है कि अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट ने 50 साल पुराने उस फैसले को बदल दिया है जिसके आधार पर देश में गर्भपात वैध और लोगों के कानूनी अधिकारों में शामिल था। कोर्ट के इस फैसले के बाद यह तय हो गया था कि अमेरिका के ज्यादातर राज्यों में गर्भपात कराना अब वैध नहीं होगा। शुक्रवार की शाम तक ही कम से कम सात राज्यों ने के अधिकारियों ने कहा है कि अब गर्भपात के लिए नए कानूनों को लागू करने का रास्ता साफ हो गया है। कोर्ट के फैसले के बाद जिन कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को गर्भपात के लिए बाहर जाने पर आर्थिक मदद का भरोसा दिया है उनमें माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, मेटा, येल्प, डिज्नी, ऊबर, नेटफ्लिक्स, बंबल, बॉक्स डॉट कॉम, लैवी स्ट्रॉस, वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी, जेपी मॉर्गन, नाईकी, स्टारबक्स और कॉमकास्ट-एनबीसी यूनीवर्सल जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं।

वीएफएस कैपिटल की पोर्टफोलियो 1,500 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की योजना

कोलकाता। वीएफएस कैपिटल की अगले कुछ वर्षों में प्रबंधन-अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) का आकार 803 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,500 करोड़ रुपये तक ले जाने की योजना है और इसके लिए वह देश भर में अपनी शाखाओं की संख्या बढ़ाने जा रही है।वीएफएस कैपिटल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुलदीप मैती ने यहां एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वीएफएस कैपिटल अब राजस्थान में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने जा रही है। उन्होंने कहा कि

फिलहाल देश भर में कंपनी की 247 शाखाएं मौजूद हैं और इस वित्त वर्ष के अंत तक 35 नई शाखाएं खोलने की योजना है।कंपनी देश के 13 राज्यों में परिचालन कर रही है। वीएफएस कैपिटल को पहले विलेज फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। मैती ने कहा कि कोविड-19 महामारी के पिछले दो वर्षों में कंपनी ने कारोबार बढ़ाने के बजाय किफायती आवास एवं एमएसएमई क्षेत्र को कर्ज मुहैया कराने पर ध्यान दिया। अब कंपनी अपने विस्तार पर ध्यान दे रही है।

आरबीआई ने सरकारी बैंक आईओबी पर 57.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने सार्वजानिक क्षेत्र के बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक पर सख्ती की है। केन्द्रीय बैंक ने इंडियन ओवरसीज बैंक पर 57.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई की ओर से गया है कि यह कार्रवाई केन्द्रीय बैंक की ओर से तय कुछ मानदंडों और धोखाधड़ी से संबंधित नियमों का अनुपालन नहीं करने के मामले में की गयी है। पीटीआई की एक खबर के मुताबिक आरबीआई की ओर से कहा गया है कि मार्च 2020 के आखिर में अपनी

वित्तीय स्थिति के संदर्भ में बैंक के वैधानिक निरीक्षण और रिपोर्टों की जांच के आधार पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक पर यह कार्रवाई की गयी है।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने समय पर नहीं दी थी धोखाधड़ी की जानकारी

रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय बैंक की ओर से जो जानकारी दी गयी है उसमें कहा गया है कि आईओबी पता लगने की तारीख से तीन सप्ताह के भीतर, एटीएम कार्ड क्लोनिंग/स्किमिंग से जुड़े धोखाधड़ी के कुछ मामलों की जानकारी देने में विफल रहा था। यह जुर्माना कमर्शियल बैंकों और चुनिंदा वित्तीय संस्थाओं की धोखाधड़ी-वर्गीकरण और रिपोर्टिंग पर आरबीआई की ओर से जारी निर्देशों से जुड़ा था। केंद्रीय बैंक की ओर से यह भी कहा गया है कि इस कार्रवाई का ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या करार की वैधता से कोई संबंध नहीं है। इस पेनाल्टी से पहले आरबीआई ने 31 मार्च, 2020 तक इंडियन ओवरसीज बैंक की वित्तीय स्थिति के बारे में सुपरवाइजरी वैल्युएशन के लिए एक निरीक्षण किया था। इसमें रिस्क असेसमेंट रिपोर्ट, इंस्पेक्शन रिपोर्ट और उससे जुड़ी चीजें शामिल थीं।

नेटफ्लिक्स ने अपने 300 कर्मचारियों को दिखा दिया है बाहर का रास्ता

नई दिल्ली। बीते कुछ समय से छंटनी के लिए चर्चा में रही जानी-मानी वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की है। खबरों के मुताबिक छंटनी के दूसरे दौर में कंपनी ने लगभग 300 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

मीडिया में चल रही खबरों के मुताबिक कंपनी के लगभग हर डिपार्टमेंट में कर्मियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। कंपनी के जिन कर्मचारियों को इस छंटनी में अपनी नौकरी गंवानी पड़ी है उनमें ज्यादातर अमेरिका के है। वीडियो स्ट्रीमिंग बाजार की दिग्गज कंपनी नेटफ्लिक्स जिसमें

तकरीबन 11000 स्थायी कर्मचारी हैं, ने अभी कुछ हफ्ते पहले ही मई महीने में अपने यहां छंटनी के पहले दौर में लगभग इतने की कर्मियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया था। मई में कंपनी ने अपने 150 कर्मचारियों और अनुबंध पर काम कर रहे दर्जनों कर्मियों और पार्ट टाइम वर्कर्स की छुट्टी कर दी थी। उस समय नेटफ्लिक्स ने अपने ऑरिजिनल सीरिज वर्टिकल के टॉप क्रियेटिव प्रोफेशनल्स सेबेस्टियन गिब्स और नेगिन सलमासी को नौकरी से निकाल दिया था। कंपनी की ओर से पहले दौर की छंटनी के दौरान ही यह कहा गया था कि इस साल और भी छंटनियां हो सकती हैं।

आपको बता दें कि कंपनी अपने कर्मियों की छंटनी का फैसला स्टॉक मार्केट में कंपनी के कमजोर होते स्टॉक प्राइस को स्थिर बनाने की कवायद के तहत किया है। आपको बता दें कि साल 2022 के पहले क्वार्टर में 2 लाख सब्सक्राइबर्स के नुकसान के बाद कंपनी के शेयरों की कीमत में 20 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई थी। आईएएनएस की कि एक रिपोर्ट के मुताबिक बाजार के विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2022 में अप्रैल से जून के दूसरे क्वार्टर में कंपनी को 20 लाख सब्सक्राइबर्स का नुकसान उठाना पड़ सकता है। आंकड़ों के मुताबिक कंपनी के पास कुल 38 मिलियन से अधिक पेड सब्सक्राइबर्स हैं।

मासिक टैक्स भुगतान फॉर्म में हो सकता है बदलाव, फर्जी बिलों पर लगेगी रोक

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद मासिक टैक्स भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी में बदलाव पर विचार कर सकती है। इसमें बिक्री रिटर्न से संबंधित आपूर्ति के आंकड़े और कर भुगतान का एक कॉलम शामिल होगा, जिसमें बाद में कोई बदलाव नहीं किया जा सकेगा। परिषद की अगली बैठक 28-29 जून को चंडीगढ़ में होगी।

जीएसटीआर-3बी फॉर्म में बदलाव से से नकली बिलों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। विक्रेताओं द्वारा जीएसटीआर-1 में कई बार ज्यादा बिक्री दिखाई जाती है और इसके आधार पर सामान खरीदार इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा करता है। जबकि जीएसटीआर-3 बी में कम बिक्री दिखाई जाती है ताकि जीएसटी कम देना पड़े। अभी के जीएसटीआर-3 बी में इनपुट टैक्स क्रेडिट का विवरण खुद तैयार होता है। अधिकारियों के मुताबिक, इस बदलाव से जीएसटीआर-3 बी में उपयोगकर्ता की ओर से कम जानकारी देनी होगी और फाइलिंग की प्रक्रिया भी

आसान होगी।

एएमआरजी के एसोसिएट भागीदार रजत मोहन ने बताया कि इस बैठक में यात्री परिवहन सेवाएं, आवास सेवाएं, हाउस कीपिंग और क्लाउड किचन सेवा देने वाले ई-कॉमर्स ऑपरेटर के लिए टैक्स फाइलिंग में बदलाव हो सकता है। ये कंपनियां अब अलग-अलग कॉलम में अपने जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3 बी में आपूर्तिकर्ताओं की ओर से जानकारी देने के लिए जवाबदेह होंगी। इसमें उबर, स्विगी और जोमैटो जैसी कंपनियां भी दायरे में आएंगी।

स्पष्टीकरण देगी काउंसिल

इसी के साथ काउंसिल कुछ मामलों में स्पष्टीकरण भी दे सकती है। इसमें सोविनियर्स में दिए गए विज्ञापन पर जीएसटी 5 फीसदी लगेगा या 18 फीसदी, इस पर भी स्पष्टीकरण आएगा। प्रिंट मीडिया में विज्ञापन पर 5 फीसदी जीएसटी लागू है और इसी आधार पर सोविनियर्स पर भी 5 फीसदी टैक्स लगाया जा सकता है।

रणजी ट्रॉफी 2022 : पहली बार रणजी का बादशाह बना 'मध्य प्रदेश'

मुंबई को 6 विकेट से हराकर उठाई ट्रॉफी

दाबुला (एजेंसी)।

बेंगलुरू। मध्य प्रदेश ने रविवार को पांचवें और अंतिम दिन घरेलू क्रिकेट की दिग्गज टीम मुंबई को एकतरफा फाइनल में छह विकेट से हराकर पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतकर इतिहास रचा। कोच चंद्रकांत पंडित ने इसी मैदान पर 23 साल पहले रणजी ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला गंवाया था लेकिन इस बार वह चैंपियन टीम का हिस्सा बनने में सफल रहे। अंतिम दिन मुंबई की टीम दूसरी पारी में 269 रन पर सिमट गई जिससे मध्य प्रदेश को 108 रन का लक्ष्य मिला जिसे टीम ने चार विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। सत्र में 1000 रन बनाने से सिर्फ 18 रन दूर रहे सरफराज खान (45) और युवा सुवेद पार्कर (51) ने मुंबई को हार से बचाने का प्रयास किया लेकिन कुमार कार्तिकेय (98 रन पर चार विकेट) की अगुआई में गेंदबाजों ने मध्य प्रदेश की जीत सुनिश्चित की। कोच के रूप में पंडित का यह रिकॉर्ड छठा राष्ट्रीय खिताब है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मध्य प्रदेश ने हिमांशु मंत्री (37), शुभमन शर्मा (30) और रजत पाटीदार (नाबाद 30) की पारियों की बदौलत 29.5 ओवर में चार विकेट पर 108 रन बनाकर जीत दर्ज की। इस जीत से पंडित की पुरानी यादें ताजा हो गई जब 1999 में इसी चिन्नास्वामी स्टेडियम में उनकी अगुआई वाली मध्य प्रदेश की टीम ने पहली पारी में बढ़त के बावजूद फाइनल गंवा दिया था और पंडित के करियर का अंत निराशा के साथ हुआ। पंडित के मार्गदर्शन में विदर्भ ने भी चार ट्रॉफी (लगातार दो रणजी और ईरानी कप खिताब) जीती जबकि उसके पास कोई सुपरस्टार नहीं थे।

रजत पाटीदार को छोड़कर यश दुबे, हिमांशु मंत्री, शुभम शर्मा, गौरव यादव या सारांश जैन जैसे खिलाड़ी भारतीय टीम में जगह बनाने की अभी दावेदार नहीं मौजूदा सत्र में उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इन सभी ने मिलकर 41 बार के चैंपियन मुंबई को एक और रणजी खिताब से महरूम किया। मध्य प्रदेश ने एक बार फिर साबित किया कि रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने लिए आपकी टीम में सुपर स्टार या भारतीय टीम में जगह बनाने के दावेदार होना जरूरी नहीं है। राजस्थान ने उस समय खिताब जीता जबकि ऋषिकेश कानिटकर और आकाश चोपड़ा उसके साथ थे। विदर्भ ने जब खिताब जीते तो उसके युवा खिलाड़ियों के मार्गदर्शन के लिए वसीम जाफर और गणेश सतीश मौजूद थे। मध्य प्रदेश की टीम अपने दो महत्वपूर्ण खिलाड़ियों आवेश खान और वेंकटेश अय्यर के बिना खेल रही थी लेकिन मुंबई पर भारी पर पड़ी। वर्ष 2010 के बाद से रणजी ट्रॉफी में कुछ सत्र कर्नाटक का दबदबा रहा लेकिन इसके बाद सिर्फ मुंबई ही एक खिताब जीत पाई जबकि अधिकांश खिताब राजस्थान (दो), विदर्भ (दो), सौराष्ट्र (एक) और मध्य प्रदेश (एक) जैसी टीम ने जीते जिन्हें घरेलू क्रिकेट में कमजोर माना जाता था। यह दर्शाता है कि मुंबई के शिवाजी पार्क, आजाद मैदान या क्रॉस मैदान, दिल्ली और बेंगलुरू या कोलकाता से क्रिकेट अब छोटे शहरों में भी फैल रहा है।

डायमंड लीग में जीत की लय बरकरार रखना चाहेंगे नीरज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के ओलंपिक स्वर्ण विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को स्टॉकहोम में इस महीने के अंत में शुरु हो रही डायमंड लीग स्पर्धा में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट से ही उन्हें अगले महीने अमेरिका के यूजीन में होने वाली विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों की जानकारी मिलेगी। नीरज ने हाल ही में ग्रेनाडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स को दो बार हराया है। ऐसे में वह अपनी इस जीत के सिलसिले को बनाये रखना चाहेंगे।

नीरज ने फिनलैंड के तुर्कू में पावो नूरमी खेलों में 89.30 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड थ्रो के साथ सत्र की अपनी पहली प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया था। नीरज ने कुओर्टेन खेलों में 86.64 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण जीता था। स्टॉकहोम में पीटर्स भी उतरेंगे पर दोहा डायमंड लीग में 93.07 मीटर के शानदार प्रयास के साथ सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला यह खिलाड़ी लय में नहीं है। उन्होंने बुधवार को फिनलैंड के ओरिमत्तिला में एक स्पर्धा में अपने सभी थ्रो पूरे नहीं किए। यहां उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास केवल 71.94 मीटर का था। उन्होंने पावो नूरमी खेलों में 86.60 मीटर और कुओर्टाने खेलों में 84.75 मीटर भाला फेंका और दोनों जगह ही उन्हें तीसरा स्थान मिला।

विश्व कप में पोडियम स्थान हासिल करने के प्रयास में लगी भारतीय हॉकी टीम:सविता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल आगामी विश्व कप में ऐतिहासिक पोडियम स्थान हासिल करने के प्रयासों में लगी हुई है। इसके लिए उसका लक्ष्य नीदरलैंड और स्पेन की संयुक्त रूप से मेजबानी में होने वाले एफआईएच के इस शीर्ष टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करना है। यह टूर्नामेंट एक से 17 जुलाई तक खेला जाएगा। टीम की कप्तान सविता को लगता है कि राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम आगामी विश्व कप में पोडियम स्थान हासिल करने में सफल रहेगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले साल ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही थी और सविता ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक के बाद टीम के अंदर ऐसा माहौल बना है कि अब वह बड़े टूर्नामेंट में किसी भी टीम का मुकाबला करने में सक्षम बन गयी है। उन्होंने कहा, 'ओलंपिक के बाद हमने अपना ध्यान अपने प्रदर्शन को अगले स्तर तक ले जाने में लगाया। हमने अपनी शक्ति एफआईएच प्रो लीग में अच्छा करने पर लगायी और इस प्रतिष्ठित लीग में तीसरा स्थान हासिल किया जिससे विश्व कप से पहले हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा।% भारत का विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चौथा स्थान रहा है जो उसने 1974 के शुरूआती चरण में हासिल किया था। वहीं 2018 में भारत आठवें स्थान पर रहा था।

अभ्यास मैच में कोहली, जडेजा और अय्यर ने जड़े अर्धशतक

लीसेस्टर (एजेंसी)।

लंबे समय से लय की तलाश कर रहे पूर्व कप्तान विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच से पहले लीसेस्टरशर के खिलाफ अभ्यास मैच के तीसरे दिन और आखिरी दिन शनिवार में 67 रन की आकर्षक पारी खेली।

दिन की शुरुआत एक विकेट पर 80 रन से करने के बाद भारत ने खेल खत्म होने तक 92 ओवर में सात विकेट पर 364 रन बनाये। भारतीय टीम ने पहली पारी आठ विकेट पर 246 रन पर घोषित की थी जिसके जवाब में लीसेस्टशर ने 244 रन बनाये थे। जसप्रीत बुमराह की गेंद पर कैच आउट होने से पहले कोहली ने 98 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के जड़े। कोहली के अलावा हरफमौला जडेजा (56) और मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर (62) ने अर्धशतकों के साथ बल्लेबाजी अभ्यास किया। इन दोनों बल्लेबाजों ने हालांकि आउट होने के बाद दोबारा बल्लेबाजी की।

पहली पारी में लीसेस्टरशर के लिए बल्लेबाजी करने वाले टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा ने 53 गेंद की पारी में 22 बनाये तो वही श्रीकर भरत (43) हनुमा विहारी (20) और शारदुल ठाकुर (28) को भी बल्लेबाजी में अच्छा अभ्यास मिला। लीसेस्टरशर के लिए खेल रहे गेंदबाजों में नवदीप सैनी ने तीन विकेट लिये तो वही जसप्रीत बुमराह, साइ किशोर ने एक-एक विकेट लिये। कमलेश नागरकोटी को दो सफलता मिली।

काइल मायर्स के बल्ले से निकला शतक, वेस्टइंडीज को बांगलादेश पर मिली बढ़त

ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया)। काइल मायर्स के नाबाद शतक से वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन यहां 106 रन की बढ़त हासिल कर ली।

मायर्स ने 180 गेंद में 15 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 126 रन बनाए जिससे वेस्टइंडीज ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक पहली पारी में 5 विकेट पर 340 रन बनाए। बांग्लादेश की टीम पहली पारी में 234 रन पर सिमट गई थी। स्टंप के समय जोशुआ डासिल्वा 26 रन बनाकर मायर्स का साथ निभा रहे थे। दोनों छठे विकेट के लिए 92 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं। वेस्टइंडीज ने दिन का शुरुआत बिना विकेट खोए 67 रन से की। कप्तान क्रेग ब्रथवेट (51) और जॉन कैंपबेल (45) ने पहले विकेट की साझेदारी को 100 रन तक पहुंचाया जिसके बाद शरीफुल इस्लाम ने कैंपबेल को विकेटकीपर नुरूल हसन के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा।

फिक्सिंग कांड में बर्बाद हो गया बेहतरीन गेंदबाज मोहम्मद आसिफ का भविष्य: वसीम अकरम

मुंबई । क्रिकेट जगत में पाकिस्तान ने कई बेहतरीन खिलाड़ी दिए, जिन्होंने बड़े रिकॉर्ड बनाए लेकिन कई ऐसे भी थे जो टैलेंट होने के बावजूद एक गलती के कारण अपना करियर बर्बाद कर बैठे। क्रिकेट फिक्सिंग की अगर बात की जाए,तब पाकिस्तान के कई क्रिकेटर इसकी लपेटे में आ चुके हैं। 2010 में फिक्सिंग कांड में पाकिस्तान क्रिकेट के दो प्रमुख तेज गेंदबाजों मोहम्मद आसिफ और मोहम्मद आमिर का पत्न हो गया। आसिफ का करियर ही समाप्त हो गया था। अब आसिफ पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा कि आसिफ ने अपनी प्रतिभा को बर्बाद कर लिया। अकरम ने कहा, हां, सभी ने मोहम्मद आसिफ की तारीफ की थी। यहां प्रतिभा बर्बाद हो गई, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन मैंने जिससे भी बात की, सभी ने कहा कि उन्होंने दशकों बाद ऐसा गेंदबाज देखा था। जिस तरह से उसने गेंद को नियंत्रित किया, जिस तरह से वह गेंद को दोनों तरफ से स्विंग कराने में कामयाब रहा, यह उसके लिए और पाकिस्तान के लिए भी बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। अकरम ने कहा, वह लंबे समय से मोहम्मद आसिफ से नहीं मिले थे और अगर वह उनसे मिल भी गए, तब वे अब उस पर नाराज नहीं होंगे। मैंने उसे कई सालों से नहीं देखा है। मैं कराची में 10 साल से रह रहा हूं, मैं शायद ही कभी लाहौर जाता हूं। वह एक बच्चा था।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा हुए कोरोना पॉजिटिव, बर्मिंघम में टेस्ट मैच की कौन करेगा कप्तानी?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ एक जुलाई से आखिरी टेस्ट मैच खेला जाने वाला है, लेकिन उससे पहले ही भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक बुरी खबर आयी है। जानकारी के अनुसार भारतीय टीम के कप्तान कोरोना से संक्रमित हो गये हैं। शनिवार (25 जून) को आयोजित रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी) के परिणाम के अनुसार रोहित शर्मा ने कोविड - 19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। बीसीसीआई की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारतीय कप्तान को आइसोलेशन में रखा गया है और संक्रमण की गंभीरता की पुष्टि और पता लगाने के लिए रविवार को एक आरटी-पीसीआर परीक्षण निर्धारित किया गया है।

कौन करेगा टेस्ट मैच की कप्तानी

1 जुलाई से शुरू होने वाले एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ पुनर्निर्धारित टेस्ट में जगह बनाने के लिए अब उन्हें अब वक्त लग सकता है। रोहत शर्मा से पहले टीम के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल भी चोट के कारण टीम में शामिल नहीं है। इससे टीम के मनोबल पर भी काफी असर पड़ेगा। टेस्ट मैच 1 जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होने वाला है और अगर रोहित छह दिनों के क्वारंटाइन में रहते है तो टेस्ट की कप्तानी की कमान तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह या विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को मिल सकती है।

सोशल मीडिया पर जौर-शौर से विराट कोहली का नाम ट्रेंड हो रहा है। विराट के फैंस चाहते हैं कि टेस्ट के दौरान अगर रोहित शर्मा टीम की कप्तानी नहीं करत हैं तो विराट कोहली को टीम की कमान दी जाए। ट्विटर पर स1द्धह्ड्डह्लद्मश्नद्ब्रद्ध ट्रेंड कर रहा हैं।

रोहित शर्मा कोरोना पॉजिटिव

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को किए गए रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी) के बाद सीओवीआईडी -19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। वह इस समय टीम होटल में आइसोलेशन में है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम की देखरेख में है। उसकी सीटी वैल्यू का पता लगाने के लिए रविवार को आरटी-पीसीआर टेस्ट किया जाएगा।

रोहित ने लीसेस्टरशायर के खिलाफ चल रहे अभ्यास मैच के पहले दिन बल्लेबाजी की थी लेकिन दूसरे दिन वह मैदान पर नहीं उतरे। उन्होंने दूसरी भारतीय पारी में बल्लेबाजी नहीं की। 35 वर्षीय भारतीय कप्तान से टेस्ट मैच में शुभमन गिल के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है और उनकी भागीदारी अब उनके आरटी-पीसीआर परीक्षण और रिकवरी के परिणाम पर निर्भर करेगी। ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भी देर से इंग्लैंड में टीम में शामिल हुए थे क्योंकि उन्होंने यूके दौरे के लिए टीम के रवाना होने से पहले सीओवीआईडी -19 के लिए भी सकारात्मक परीक्षण किया था।

शतरंज ओलंपियाड में भाग नहीं लेंगे चीनी खिलाड़ी

चेन्नई । चीन अगले माह मामल्लपुरम में 28 जुलाई में होने वाले 44वें शतरंज ओलंपियाड में भाग नहीं लेगा। चीन के नंबर एक खिलाड़ी डिंग लिरेन ने कहा है कि चीन की टीम के इस ओलंपियाड में खेलने की कोई संभावनाएं नहीं हैं। मैड्रिड टूर्नामेंट में खेल रहे लिरेन ने कहा, ''नहीं, मुझे लगता है कि चीन की टीम और उसका कोई भी खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में खेलेगा हालांकि उसने इसके पीछे के कारणों को नहीं बताया।'' वहीं आयोजकों के अनुसार चीन के खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेने का अब तक कोई कारण नहीं बताया है। अभी तक जो संकेत मिले हैं उससे लगाता है कि चीनी टीम नहीं आयेगी।

अदिति का महिला पीजीए चैम्पियनशिप में अच्छा प्रदर्शन

–लाहिड़ी ट्रैवलर्स चैम्पियनशिप में कट हासिल नहीं कर पाये

बेथेस्डा। भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए महिला पीजीए चैम्पियनशिप के कट में जगह बनाई है। अदिति ने अंतिम तीन होल में दो बर्डी लगाकर एक अंडर 71 का कार्ड खेला। वहीं इससे पहले अदिति ने पहले दौर में 76 का कार्ड खेला था और वह 15 होल के बाद एक ओवर पर चल रही थी जिससे उनके कट हासिल करने की संभावना कम हो गयी थी।

पर इसके बाद इस भारतीय खिलाड़ी ने अंतिम तीन होल में दो बर्डी लगाने लगाकर टूर्नामेंट में अपना स्थान बरकरार रखा। तीन ओवर से वह संयुक्त 54वें स्थान पर थीं। इस दौरान 72 खिलाडियों ने कट हासिल किया था। वहीं पुरुष वर्ग में भारत के ही अनिर्बान लाहिड़ी ट्रैवलर्स चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में दो बोगी के कारण कट हासिल नहीं कर पाये। लाहिड़ी ने तीन ओवर 73 के कार्ड में चार बर्डी, तीन बोगी और दो डबल बोगी की। इससे 36 होल में उनका कुल स्कोर तीन ओवर का रहा जिससे वह पांच शॉट से कट हासिल नहीं कर पाये। लाहिड़ी इस प्रकार लगातार तीसरे टूर्नामेंट में कट में जगह नहीं बना सके। इससे पहले वह अमेरिकी पीजीए चैम्पियनशिप और मेमोरियल में भी कट हासिल नहीं कर पाये थे।

फीडे कैंडीडेट्स शतरंज – नेपोमिन्सी और फबियानों फिर जीते

मेड्रिड ,स्पेन । फीडे कैंडीडेट 2022 का अब आधा चरण पूरा हो गया है और कुल 14 मे से 7 राउंड के बाद ऐसा लग रहा है की रूस के यान नेपोमिन्सी और यूएसए के फबियानों कारुआना के बीच एक अलग ही दौड़ चल रही है और फिलहाल यह साफ लग रहा है की खिताब इन दोनों मे से कोई एक ही जीतेगा । सातवे राउंड में यान नेपोमिन्सी नें हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट की चुनौती को ध्वस्त करते हुए प्रतियोगिता में अपनी चौथी जीत दर्ज की तो फबियानों कारुआना नें अजरबैजान के तैमूर रदुजाबोव को मात देते हुए अपनी तीसरी जीत हासिल की । काले मोहरो से नेपोमिन्सी नें पेट्रोफ डिफेंस में 42 चालों में तो कारूआना नें सफेद मोहरो से सिसलियन ओपनिंग में 56 चालों में बाजी अपने नाम की ।

कप्तानी का आनंद लेते हैं हार्दिक, कहा जिम्मेदारी आने पर सर्वश्रेष्ठ करते हैं

मालाहाइड (आयरलैंड) (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग में पदार्पण सत्र में गुजरात टाइटन्स को खिताब दिलाने वाले हार्दिक पंड्या ने स्वीकार किया कि जिम्मेदारी आने से वह क्रिकेट के मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। हार्दिक को रविवार से यहां आयरलैंड के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिये भारतीय टीम का कप्तान चुना गया है।

इस आल राउंडर ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''पहले भी मुझे जिम्मेदारी लेने में मजा आता था और अब भी ऐसा ही है लेकिन अब थोड़ी ज्यादा जिम्मेदारी आ गयी है। मेरा हमेशा मानना है कि मैंने जिम्मेदारी लेने के बाद बेहतर किया है। ''

हार्दिक ने कहा, ''अगर मैं अपनी चीजों की जिम्मेदारी लेता हूं और अपने फैसले करता हूं तो वे मजबूत होते हैं। क्रिकेट इस तरह का खेल है जिसमें अलग अलग परिस्थितियों के दौरान मजबूत बने रहना बहुत अहम है। '' उन्होंने कहा, ''मुझे हमेशा जब भी जिम्मेदारी दी गयी तो मैंने इसे संभाला इसलिये ही मैं बेहतर बना। कप्तानी करते हुए मैं देखूंगा कि में प्रत्येक खिलाड़ी को यही जिम्मेदारी कैसे दे सकता हूं। ''

दो करिश्माई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली के नेतृत्व में खेलने से हार्दिक ने अगुआई करने की काबिलियत सीखी लेकिन उनका कहना है कि हर कप्तान का अपना तरीका होता है।

उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से, मैंने उनसे (धोनी और कोहली) काफी चीजें सीखी हैं लेकिन साथ ही मेरे खुद के फैसले भी होते हैं, निश्चित रूप से मेरी खेल की समझ अलग है लेकिन मैंने उनसे काफी अच्छी चीजें सीखी हैं। ''

उन्होंने कहा, ''मैं सहज प्रवृत्ति का नहीं हूं लेकिन अंदर से फैसला करने के बजाय परिस्थितियों को देखता हूं। किस समय पर टीम को किस फैसले की जरूरत है, मैं इस पर ध्यान लगाता हूं, अंदर से मुझे कैसा महसूस हो रहा है, इसे नहीं देखता। ''

उन्होंने कहा, ''मुझे भारत की अगुआई की जिम्मेदारी दी गयी है। यह अपने आप में बड़ी चीज है। मैं खेल किसी को कुछ दिखाने के लिये नहीं खेलता। मैं हमेशा ऐसा ही था। ''

भारतीय टीम आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में अपने रिजर्व खिलाड़ियों को उतार रही है और हार्दिक ने कहा कि टीम के पास जो 'बेंच स्ट्रेंथ' है वो देश में खेल के लिये अच्छा संकेत है।

उन्होंने कहा, ''अगर ऐसी स्थिति आती है कि हमें दो टीमें भेजनी पड़ें तो हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास उतनी 'बेंच स्ट्रेंथ' है जहां हम खिलाड़ियों को भेज सकते हैं और इससे काफी लोगों को मौके मिलेंगे। '' हार्दिक ने कहा, ''भारत में इतनी प्रतिभा है कि लोगों को मौके ही नहीं मिलते। भारत के लिये खेलना हमेशा एक सपना होता है और उनके लिये यह सपना साकार करना सचमुच शानादर होगा। ''

उन्होंने कहा, ''जिस तरह से प्रतिभायें सामने आ रही हैं और खिलाड़ियों ने जिस तरह का जज्बा दिखाया है, जिस तरह का प्रदर्शन किया है, यह भारत की 'बेंच स्ट्रेंथ' दर्शाता है। भारतीय टीम में इस समय काफी विकल्प हैं। चार लोग अब भी टीम में जगह बनाने के लिये मशक्कत कर रहे हैं। वे दरवाजा खटखटा रहे हैं तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। ''

उन्होंने कहा कि वे इस संक्षिप्त श्रृंखला को उसी तरह खेलेंगे जैसे वे बड़े टूर्नामेंट में खेलते हैं। उन्होंने कहा, ''यह मानसिक रूप से चुनौती है, यह कहना आसान है कि हम आयरलैंड के खिलाफ खेल रहे हैं लेकिन भारत के लिये खेलना सबसे बड़े गर्व की बात है। अगर हम विश्व कप जीतना चाहते हैं तो यहां से प्रत्येक मैच हमारे लिये महत्वपूर्ण होगा। पहली चीज, यह मायने नहीं रखता कि हम किससे खेल रहे हैं, बस हमें अपनी चीजों पर ध्यान लगाये रखना है।

दो जुलाई तक पुलिस हिरासत में रहेंगे आर.बी. श्रीकुमार और तिस्ता सीतलवाड़, कोर्ट का फैसला

अहमदाबाद, 26 जून (एजेन्सी)। गुजरात दंगा मामले में फर्जी सबूत गढ़कर पीएम मोदी व अन्य को क्लीनचिट देने को चुनौती देने के मामले में गुजरात पुलिस ने पूर्व डीजीपी आरबी श्रीकुमार व सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ को गिरफ्तार कर लिया है। तीस्ता को गुजरात एटीएस ने शनिवार को मुंबई से हिरासत में लेने के बाद आज तड़के अहमदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच को सौंप दिया। दोनों को आज मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट अहमदाबाद में पेश किया गया।

क्राइम ब्रांच एसीपी चुडासमा ने बताया कि आरबी श्रीकुमार और तीस्ता सीतलवाड़ को अदालत में पेश किया गया। हमें 2 जुलाई तक उनका रिमांड दिया गया है। रिमांड के दौरान मामले में शामिल अन्य लोगों के बारे में और कई चीजों की जांच की जाएगी। इससे पहले क्राइम ब्रांच ने अदालत से दोनों के लिए 14 दिनों की रिमांड की मांग की थी।

तीस्ता सीतलवाड़ मामले की जांच के लिए एसआईटी टीम गठित की गई है। इस एसआईटी टीम में एटीएस डीआईजी दीपन भद्रन समेत चार सदस्यों होंगें। इसके अलावा गुजरात एटीएस ने तीस्ता सीतलवाड़ को आज मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट, अहमदाबाद में पेश किया। इस दौरान वह चिल्लाती रहीं कि 'मैं अपराधी नहीं हूं।'

सीतलवाड़ के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और कानूनी प्रक्रिया के अपमान का नया केस दर्ज किया गया है। सिविल अस्पताल में मेडिकल कराए जाने के दौरान तीस्ता सीतलवाड़ ने कहा, 'उन्होंने मेरा मेडिकल कर दिया है। मेरे हाथ पर एक बड़ी चोट है, एटीएस ने मेरे साथ यही किया है। वे मुझे मजिस्ट्रेट की अदालत में ले जा रहे हैं।' अपराध शाखा के इंस्पेक्टर डीबी बराड द्वारा अहमदाबाद क्राइम ब्रांच में तीस्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद तीस्ता को शनिवार दोपहर मुंबई के जुहू इलाके में स्थित घर से हिरासत में लिया गया था।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के डीसीपी चैतन्य मांडलिक ने बताया कि इस मामले में पूर्व डीजीपी व आईपीएसआरबी श्रीकुमार को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था, जबकि तीस्ता को कल हिरासत में लेने के बाद आज गिरफ्तार किया गया। दोनों को आज दोपहर बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा। आरोपी जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं, इसलिए कोर्ट से हम उन्हें 14 दिन की रिमांड पर मांगेंगे। तीस्ता के बयान मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज किए जाएंगे। गिरफ्तारी के पूर्व मेडिकल चेकअप समेत पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया।

सीतलवाड़ के खिलाफ ताजा कार्रवाई गुजरात दंगा मामले में एसआईटी जांच को चुनौती देने वाली एक याचिका सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने के बाद की गई है। एसआईटी ने 2002 के गुजरात दंगों के मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य को क्लीनचिट दी थी। इसके खिलाफ जकिया जाफरी व अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका दायर की थी। तीस्ता सीतलवाड़ 'सिटीजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस' की सचिव हैं। उनके खिलाफ झूठे तथ्यों और दस्तावेजों को गढ़ने की साजिश रचने, गवाहों को गुमराह करने, लोगों को फंसाने के लिए झूठे सबूत गढ़कर कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने का भी आरोप है। तीस्ता और उनका एनजीओ दंगों में मारे गए पूर्व कांग्रेस सांसद एहसान जाफरी की पत्नी जकिया जाफरी के साथ सह याचिकाकर्ता थे।

शीर्ष कोर्ट ने शुक्रवार को याचिका खारिज कर दी और मोदी और अन्य को दी गई क्लीन चिट को बरकरार रखा। इसके बाद दायर ताजा एफआईआर में तीस्ता के अलावा दो पूर्व आईपीएस अधिकारियों-आरबी श्रीकुमार और संजीव भट्ट पर भी इसी तरह के आरोप लगाए गए हैं। भट्ट हिरासत में मौत के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद फिलहाल जेल में बंद हैं। तीस्ता ने हिरासत में लिए जाने के दौरान आरोप लगाया कि उनकी गिरफ्तारी अवैध है और जान का खतरा है।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यह कहते हुए जाकिया जाफरी की याचिका खारिज कर दी थी कि कानून का दुरुपयोग करना ठीक नहीं।

इस दौरान कोर्ट ने तीस्ता सीतलवाड़ का भी जिक्र किया था। कोर्ट ने एसआईटी की तारीफ की और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जितने लोग कानून से खिलवाड़ करते हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता सीतलवाड़ का भी नाम लिया और कहा कि सीतलवाड़ के खिलाफ और जांच की जरूरत है।

९० फीसदी दोषसिद्धि दर हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है केंद्र : शाह

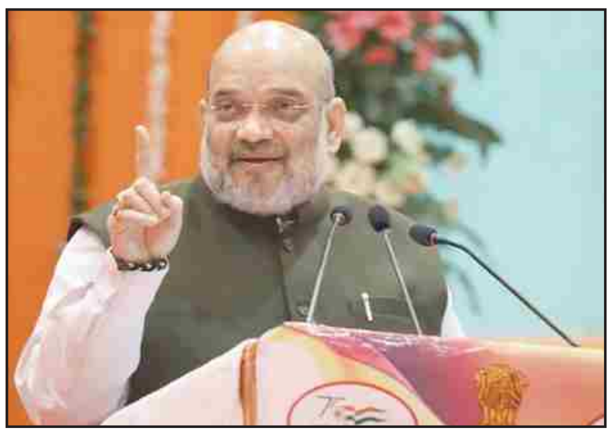

अहमदाबाद, 26 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय गृहमंत्रालय नब्बे फीसदी तक दोषसिद्धि दर हासिल करने और देश में नागरिकों के लिए अनुकूल और प्रभावी आपराधिक न्याय प्रणाली प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को यह बात कही।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा को अत्यधिक महत्व देती है और अपराध कापता लगाने और रोकथाम व प्रभावी कानून प्रवर्तन के सिस्टम को मजबूत करके जन कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उन्होंने ये बातें गृह मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कही। गृह मंत्री ने भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम में प्रस्तावित व्यापक संशोधनों के माध्यम से प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में एक स्वतंत्र अभियोजन निदेशालय और एक स्वतंत्र फोरेंसिक विज्ञान निदेशालय की स्थापना का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार छह साल से अधिक कारावास की सजा वाले सभी मामलों में फोरेंसिक जांच को अनिवार्य बनाने की दिशा में काम कर रही है। बैठक में विशेष रूप से फोरेंसिक जांच पर आपराधिक न्याय प्रणाली की बढ़ती निर्भरता को ध्यान में रखते हुए देश में उपलब्ध फोरेंसिक विज्ञान क्षमताओं की समीक्षा की गई।

शाह ने अपराधियों द्वारा टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को देखते हुए जांच एजेंसियों को अपराधियों से एक कदम आगे रहने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि केंद्र राज्य सरकारों के सहयोग से पुलिस जांच, अभियोजन और फोरेंसिक में सुधार के लिए त्रि-आयामी दृष्टिकोण पर काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि लक्षित सजा दर हासिल करने के लिए टेक्नोलॉजी आधारित और साक्ष्य आधारित जांच पर ध्यान केंद्रित करने का यह सही समय है। गृहमंत्री ने समिति के सदस्यों को प्रस्तावित सुधारों को लागू करने के लिए आवश्यक क्षमता निर्माण की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी।

शाह ने कहा कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की स्थापना कानून-प्रवर्तन एजेंसियों की जनशक्ति को प्रशिक्षित करने के लिए की गई है ताकि उन्हें अपराध, विशेष रूप से साइबर अपराध, डार्क-नेट आदि से निपटने के लिए नई तकनीक के उपयोग में प्रशिक्षित किया जा सके। इसके अलावा नई टेक्नोलॉजी में युवाओं की विशेषज्ञता और इनोवेशन को आकर्षित करने के लिए हैकथॉन का भी आयोजन किया जा रहा है।

बैठक में शामिल होने वाले सांसदों में एनके प्रेमचंद्रन, कुंवर दानिश अली, राम शंकर कठेरिया, सीएम रमेश, राजेंद्र अग्रवाल, लॉकेट चटर्जी, नीरज शेखर, पीपी चौधरी, केसी राममूर्ति, नबा सरानिया, के रवींद्र कुमार और के जी माधव शामिल रहे।

देसी गाय की खरीद पर 25,000 रुपये की सब्सिडी देगी हरियाणा सरकार

चंडीगढ़, 26 जून (एजेन्सी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने रविवार को ऐलान किया है कि देसी गाय की खरीद पर सरकार 25 हजार रुपये की सब्सिडी देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस किसान के पास दो से पांच एकड़ तक की जमीन हो और वह सरकारी पोर्टल पर रजिस्टर्ड हो, अगर वो अपने मने से नेचुरल फार्मिंग चुनना चाहे तो उसे देसी गाय खरीदने की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

खट्टर ने कहा कि राज्य में 50 हजार एकड़ में जैव खेती करने का टारगेट रखा गया है और लोगों को इसके बारे में जागरूक करना है। इसके लिए सभी विकास खंडों में प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। करनाल पहुंचे मुख्यमंत्री ने नेचुरल फार्मिंग को लेकर बुलाई गई बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि सिक्कम देश का पहला राज्य बन गया है जो कि पूरी तरह से जैव खेती करता है। हिमाचल प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी इसपर बहुत काम किया जा रहा है।

खट्टर ने कहा कि हरियाणा सरकार भी देसी गायों पर छूट देकर बड़ा कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि किसान अब जैव खेती का मतलब समझ रहे हैं। अब तक 1,253 किसानों ने खेती का यह तरीका अपनाने के लिए रजिस्ट्रेशन किया है। उन्होंने कहा कि जब 1960 में देश की खाद्यान्न की कमी हो गई थी तब हरित क्रांति आई थी। इसी की वजह से रासायनिक उर्वरकों का ज्यादा उपयोग होने लगा।

इस मौके पर कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि मुख्यमंत्री हमेशा किसानों के हित में सोचते हैं और यही योजना बनाते हैं कि किसानों को कैसे समृद्ध किया जाएगा। दलाल ने कहा कि सरकार ने , मेरा पानी मेरी विरासत, भावंतर भरपायी योजना, जेसी नीतियां लागू कीं। इससे किसानों को उनकी फसल की पूरी कीमत मिलती है।

थम नहीं रहा अग्निपथ पर विवाद, आज राजस्थान में कांग्रेस का हल्ला बोल

जयपुर, 26 जून (एजेन्सी)। केन्द्र सरकार की ओर से सेना में भर्ती के लिए लाई गई नई 'अग्निपथ योजना' के खिलाफ जारी विरोध अभी थमता नजर नहीं आ रहा है। प्रदर्शनकारियों के साथ राजनीतिक दल भी खुलकर विरोध में उतर आए हैं।

राजस्थान में सोमवार को 'अग्निपथ योजना' के खिलाफ जहां कांग्रेस सभी विधानसभा क्षेत्रों में धरना प्रदर्शन करेगी, वहीं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) जोधपुर में युवा हुंकार महारैली का आयोजन करेगी।

राजस्थान के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बताया कि इस योजना के खिलाफ राज्य की सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सुबह दस बजे से दोपहर एक बजे तक धरना-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान पार्टी प्रदर्शन कर केन्द्र सरकार से अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग करेगी।

पार्टी सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने बताया कि इस योजना के खिलाफ देशभर में बीस राजधानियों में पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा केंद्र सरकार की 'अग्निपथ योजना' को लेकर देश के सामने अपना पक्ष रखते हुए इसे वापस लेने की मांग की जाएगी।

उन्होंने कहा कि देश के हर विधानसभा क्षेत्र में यह धरना-प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में इसे लेकर पार्टी ने बड़ी तैयारियां की हैं।

उधर, रालोपा भी 'अग्निपथ योजना' के खिलाफ जोधपुर मुख्यालय पर स्थित रावण चबूतरा मैदान में युवा हुंकार महारैली का आयोजन कर इस योजना को वापस लेने की मांग करेगी। रालोपा के संयोजक हनुमान बेनीवाल पिछले चार पांच दिनों से इस रैली को सफल बनाने के लिए विभिन्न जिलों में जाकर सबको अग्निपथ के खिलाफ खड़े होने की अपील की है।

डोटासरा ने केन्द्र पर 'अग्निपथ योजना' लाकर युवाओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार सेना भर्ती के लिए फिजिकल, मेडिकल एवं लिखित परीक्षा पास कर नियुक्ति का इंतजार कर रहे युवाओं को भी अग्निपथ योजना में फिर से आवेदन करने का कह कर युवाओं के जले पर नमक छिड़कने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि देश के सैनिक भारत की सुरक्षा के लिए सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बगैर विपरीत परिस्थितियों में सीमाओं पर तैनात रहते हैं तथा अपने जीवन का बलिदान देने से भी पीछे नहीं हटते हैं, ऐसे वीर युवाओं से 'अग्निपथ योजना' के नाम पर केन्द्र सरकार द्वारा धोखा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के अधीन विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं तथा सेना में दो लाख 55 हजार से अधिक पद खाली हैं, ऐसी परिस्थिति में 17 से 21 वर्ष के युवकों को ठेके पर 'अग्निपथ योजना' के नाम पर सेना में लेना तथा चार वर्ष बाद जो युवा मैरिट में नहीं आएंगे उन्हें वापस घर भेज दिया जाना युवाओं के साथ अन्याय है।

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, चार साल की सेना भर्ती के लिए भी युवाओं को दो बार परीक्षा देनी होगी, पहले भर्ती के लिए और उसके बाद 25 प्रतिशत की भर्ती में शामिल होने के लिए सफल होना होगा जो कि युवाओं के साथ अन्याय और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करना है।

एमवीए सरकार दो-तीन दिन की मेहमान : केंद्रीय मंत्री दानवे

नई दिल्ली, 26 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में महा विकास आघाड़ी (एमवीए) की सरकार 'दो-तीन दिन' तक ही चलेगी। गठबंधन में शामिल शिवसेना के विधायकों ने विद्रोह किया हुआ है। राज्य सरकार में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से मंत्री राजेश टोपे की उपस्थिति में यहां एक कृषि विभाग भवन के उद्घाटन समारोह में भाजपा नेता ने कहा कि एमवीए को शेष विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करना चाहिए क्योंकि 'हम (भाजपा) केवल दो- तीन दिन के लिए ही विपक्ष में हैं। एमवीए में शिवसेना के अलावा राकांपा और कांग्रेस भी शामिल है।

केंद्रीय रेलवे, कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने कहा, समय निकल रहा रहा है। यह सरकार दो- तीन दिन चलेगी। इस बगावत से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। शिवसेना के बागियों की मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से नाराजगी है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले समूह के भाजपा में विलय की संभावना के बारे में पूछे जाने पर, दानवे ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है और अगर कोई प्रस्ताव आता है तो वरिष्ठ नेतृत्व फैसला करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि

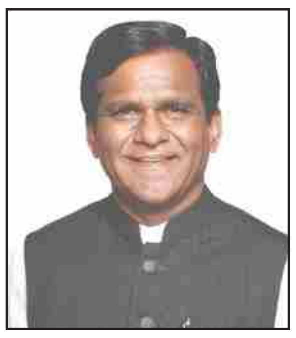

राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किए जाने की कोई संभावना नहीं है।

भाजपा के राज में लोकतंत्र की हत्या, रामपुर व आजमगढ़ में मिली हार के बाद बोले अखिलेश

लखनऊ, 26 जून (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी ने सपा के गढ़ आजमगढ़ और आजम खां के गढ़ रामपुर में हुए लोकसभा उपचुनाव में दोनों सीटों पर जीत हासिल कर समाजवादी पार्टी को करारा झटका दिया है। हार के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट कर इसे भाजपा के राज में लोकतंत्र की हत्या करार दिया है। उन्होंने इसकी पूरी क्रॉनॉलॉजी जारी करते हुए भाजपा को घेरा है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव परिणाम आने के बाद रविवार की शाम को ट्वीट करते हुए लिखा कि नामांकन के समय चीरहरण, नामांकन निरस्त कराने का षड्यंत्र, प्रत्याशियों का दमन, मतदान से रोकने के लिए दल-बल का दुरुपयोग, काउंटिंग में गड़बड़ी, जन प्रतिनिधियों पर दबाव, चुनी सरकारों को तोड़ना व ये है आज़ादी के अमृतकाल का कड़वा सच!

समाजवादी पार्टी के अधिकारिक ट्वीटर पर लिखा गया कि भाजपा की ये जीत बेईमानी, छल, सत्ता का बल, लाठी और गुंडागर्दी का दम, लोकतंत्र और संविधान की अवहेलना, जोर जबरदस्ती, चुनाव आयोग की धृतराष्ट्र दृष्टि और भाजपाई कौरवी सेना की जनमत अपहरण की जीत है।

आपक बता दें कि रामपुर में जहां आजम खां के करीबी आसिम राजा को भाजपा के घनश्याम लोधी ने सीधे मुकाबले में 42 हजार से अधिक वोटों से हराया। वहीं आजमगढ़ सीट पर भाजपा के प्रत्याशी भोजपुरी सिनेस्टार दिनेश लाल निरहुआ ने सपा के धर्मेंद्र यादव को त्रिकोणीय मुकाबले में 8679 मतों से पराजित किया। दोनों सीटों पर हुई जीत को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुशासन की जीत और तुष्टीकरण की हार बताया है। वहीं अखिलेश यादव ने इसे भाजपा राज में लोकतंत्र की हत्या करार दिया है।

पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर का ऐलान, बलिया सीट से लड़ूंगा 2024 लोकसभा चुनाव

लखनऊ, 26 जून (एजेन्सी)। विवादों के कारण चर्चा में रहने वाले पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने 2024 के लोकसभा चुनाव में बलिया संसदीय सीट से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। अमिताभ ठाकुर ने रविवार को जारी एक वीडियो में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे नव गठित राजनैतिक दल अधिकार सेना की ओर से चुनाव लड़ेंगे। अमिताभ ने कल ही अधिकार सेना के गठन की घोषणा यह कहते हुए की थी कि अधिकार सेना आम नागरिक में समस्त अधिकार निहित होने की भावना पर वश्विास करता है और उसका प्रयास संविधान प्रदत्त शक्तियों को प्रत्येक नागरिक की पहुंच तक लाने का है।

अमिताभ ने कहा कि उन्होंने बलिया को उसकी सांस्कृतिक व ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के कारण चुना। उन्होंने कहा कि बलिया को स्वतंत्रता की लड़ाई में अप्रतिम भूमिका तथा विशेषकर 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन में चित्तू पाण्डेय के अधीन अंग्रेजों से आजाद घोषित करने के कारण बागी बलिया के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि वे एक बेहतर समाज की स्थापना हेतु निरंतर प्रत्यनशील रहने वाले जय प्रकाश नारायण तथा चंद्रशेखर की धरती की पूरी ईमानदारी तथा तन्मयता से सेवा करना चाहते हैं।

गौरतलब है कि पूर्व आईपीएस अधिकारी पूर्ववर्ती अखिलेश सरकार और मौजूदा योगी सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते रहे हैं। उन्हे पिछले साल वीआरएस दिया गया था जबकि बाद में उन्हे सेवानिवृत्ति दे दी गई थी। पिछले विधानसभा चुनाव में भी उन्होने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ चुनाव लड़ने की मंशा का इजहार किया था मगर बलात्कार के आरोपी को बचाने के आरोप में उन्हे जेल भेज दिया गया था और वह चुनाव लड़ने से वंचित रह गए थे।

बीजेपी को हराने की जमीनी शक्ति बसपा के ही पास : मायावती

लखनऊ, 26 जून (एजेन्सी)। आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत से पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। उप चुनाव का परिणाम आते ही भाजपा में जश्न है तो सपाइयों का चेहरा लटक गया है। इसी बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने लोकसभा उपचुनाव परिणाम आने के बाद कहा है कि भाजपा को हराने की सैद्धांतिक व जमीनी शक्ति उसके पास ही है। यह बात पूरी तरह से खासकर समुदाय विशेष को समझाने का पार्टी का प्रयास लगातार जारी रहेगा, ताकि प्रदेश में बहुप्रतीक्षित राजनीतिक परिवर्तन हो सके।

मायावती ने रविवार की शाम को ट्वीट कर कहा है कि उपचुनाव अधिकतर सत्ताधारी पार्टी ही जीतती है, फिर भी आजमगढ़ में बसपा ने सत्ताधारी भाजपा व सपा के हथकंडों के बावजूद जो कांटे की टक्कर दी है, वह सराहनीय है। पार्टी के छोटे-बड़े सभी जिम्मेदार लोगों व कार्यकताओं को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ना है। यूपी के इस उपचुनाव परिणाम ने एकबार फिर से यह साबित किया है कि केवल बसपा ही भाजपा को हरा सकती है।

मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ ने आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली जीत के बाद दावा किया कि इस उप चुनाव के परिणाम ने 2024 में उत्तर प्रदेष की सभी 80 लोकसभा सीटों पर भाजपा के विजय की ओर अग्रसर होने का दूरगामी संदेश दिया है। सीएम योगी ने लखनऊ में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा ने दोनों सीटों पर चुनौतीपूर्ण लड़ाई को जीत में बदलकर 2024 के लिए एक दूरगामी संदेश दे दिया है।

उन्होंने आजमगढ़ और रामपुर में भाजपा के उम्मीदवारों की जीत का दावा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की सकारात्मक, सर्वसमावेशी और कल्याणकारी योजनाओं के तहत गांव, गरीब, किसान, महिलाएं और समाज के हर वर्ग के लिए जो काम किए गए हैं वो जनता ने हाथों हाथ लिए हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com